जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 165 प्रभात बीकानेर, रविवार 5 जनवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

*अजमेर में सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चादर पेश की। उन्होंने देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी और प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ कर सुनाया।*

## विख्यात खेल पत्रकार के. दत्ता का निधन

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। टाइम्स ऑफ इंडिया के पूर्व स्पोर्ट्स एडिटर और भारत में खेल पत्रकारिता के पुरोधा के. दत्ता का नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे तथा उनकी अंतिम इच्छानुसार उनका मृत शरीर मैडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया है।

उनके पुत्र राहुल दत्ता ''द पायोनियर'' में हैं और दामाद अनिल आनंद एक कश्मीरी दैनिक के संवाददाता हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई पत्रकारों को पत्रकारिता के गुर सिखाए। दत्ता साहेब बेहद सरल स्वभाव के सादगी पसंद इंसान थे, वे प्रैस एन्क्लेव से बस से यात्रा करते थे और कई बार बस टिकट पर ही खबर के नोट्स लिख लेते थे।

- वे 93 वर्ष के थे। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, उनका मृत शरीर मैडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया है।

# प्र.मंत्री मोदी ने ममता बनर्जी से दोस्ती के लिए अडानी को मैदान में उतारा

## अडानी, इंडिया ब्लॉक में राहुल की जगह ममता बनर्जी को नेतृत्व की भूमिका में लाने की कोशिश में हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने अरबपति मित्र गौतम अडानी को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से दोस्ती करके राहुल को विपक्षी गठबंधन इंडिया ग्रुप के मुखिया पद से हटाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

राहुल गांधी और उनकी बहिन प्रियंका ने गत एक साल से अडानी ग्रुप के विरुद्ध मुहिम छेड़ रखी और इस बात से गौतम अडानी बहुत नाराज हैं।

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि अडानी को प.बंगाल की कोयला खानों में भी गहरी रुचि है। बांग्लादेश के पावर प्रोजैक्ट के लिए उन्हें ये कोयला खानें जल्द से जल्द चाहिए।

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार भी ममता बनर्जी को इंडिया

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- अडानी को इस मुहिम में शरद पवार का भी साथ मिल रहा है। पवार और अडानी की पुरानी दोस्ती रही है और पवार भी ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व सौंपने की बात कर रहे हैं।
- इसमें अडानी का भी फायदा है। उनकी नज़र प. बंगाल की कोयला खानों पर है, बाँग्लादेश के पावर प्रोजैक्ट के लिए उन्हें इन खानों की जरूरत है।
- सूत्रों का कहना है कि अडानी के इशारे पर ही ममता बनर्जी ने तृणमूल सांसदों को लोकसभा में, राहुल की अडानी विरोधी मुहिम से दूर रहने को कहा था।

# प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अजमेर दरगाह में चादर चढ़ाई

## मंत्री रिजिजू ने मोदी का संदेश पढ़ा और गरीब नवाज़ ऐप लाँच किया

अजमेर, 4 जनवरी (कासं)। केन्द्रीय अल्प संख्यक मामलात मंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को अजमेर स्थित विश्व विख्यात सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में सालाना उर्स के मौके पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मजार शरीफ पर चादर व अकीदत के फूल पेश कर देश में अमन-चैन व भाईचारे की दुआ की। इस मौके पर दरगाह स्थित महफिलखाने में प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने पढ़कर सुनाया।

- प्रधानमंत्री ने संदेश में कहा, ''ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के लोक कल्याण व मानवता से जुड़े संदेशों ने लोगों पर अमिट छाप छोड़ी है और उनके प्रति विश्वभर में लोगों की गहरी आस्था है।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संदेश में कहा, ''गरीब नवाज़ के 813वें उर्स मुबारक के अवसर पर दुनियाभर में उनके अनुयायियों और अजमेर शरीफ में आए सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। विभिन्न काल खण्डों में हमारे संतों, पीरों, फकीरों व महापुरुषों ने अपने कल्याणकारी विचारों से जन-जन के जीवन को आलोकित किया। इस कड़ी में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के लोक कल्याण व मानवता से जुड़े संदेशों ने लोगों पर अमिट छाप छोड़ी है और उनके प्रति विश्वभर में लोगों की गहरी आस्था है। समाज में प्रेम और सौहार्द्र को बढ़ाने के लिए समर्पित उनका जीवन व आदर्श हमारी पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उनके वार्षिक उर्स का उत्सव लोगों के आपसी जुड़ाव को सशक्त करने

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कांग्रेस अब आर.जे.डी. और ओवैसी के साथ आक्रामक तरीके से मुस्लिम हितों के पक्ष में खड़ी होगी

## इस विचार परिवर्तन के साथ कांग्रेस इन दोनों पार्टियों के साथ सुप्रीम कोर्ट में जाने की तैयारी में है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। आगरा की मुबारक मंज़िल, जिसे औरंगज़ेब की हवेली के नाम से भी जाना जाता है, के विध्वंस के बाद, जाहिर तौर पर कांग्रेस ने, अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दों पर अपने रवैये में थोड़ा बदलाव किया है। अभी तक पार्टी अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ज्यादा आक्रामक रुख नहीं अपना रही थी, शायद हिंदू वोटों को नाराज़ नहीं करने की दृष्टि से। अब पार्टी प्लेसेज़ ऑफ वर्शिप एक्ट, 1919, को सख़्ती से लागू करने की मांग करने के लिए, ए.आई.एम.आई.एम. तथा आर.जे.डी. के साथ सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाने को तैयार है।

उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग द्वारा स्मारक की सुरक्षा के लिए अधिसूचना जारी करने के केवल तीन महीने बाद ही, 17 वीं शताब्दी की इस इमारत को लगभग पूरी तरह से ज़मींदोज़ कर दिया गया है, कथित तौर पर स्थानीय बिल्डरों और अधिकारियों की मिलीभगत से। यह घटना मस्जिदों और मुगलकालीन संरचनाओं के नीचे मंदिरों की खोज के लिए खुदाई के अभियान की पृष्ठभूमि में हुई है।

दक्षिणपंथी संगठनों ने दावा किया है कि ताजमहल एक शिवमंदिर के ऊपर बनाया गया था, जैसे संभल की शाही मस्जिद हरिहर मंदिर के ऊपर बनाई गई। अजमेर दरगाह को खोदने की भी मांग की गई है, यह पता लगाने के लिए कि क्या इसके नीचे कोई मंदिर था। हाल ही में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने, पूजा स्थलों के खिलाफ कोई भी मुकदमा दायर करने पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया और वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा में शाही ईदगाह या संभल जामा मस्जिद से संबंधित मुकदमों में जिला अदालतों को सर्वे करने का निर्देश देने से रोक दिया।

ए.आई.एम.आई.एम. और आर.जे.डी. द्वारा दायर याचिकाओं सहित, कई याचिकाओं में पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को सख़्ती से लागू करने की मांग की गई है। उच्चतम न्यायालय 17 फरवरी को इस मामले पर सुनवाई करेगा। ज्ञात हुआ है कि कांग्रेस सर्वोच्च न्यायालय में, कार्यवाही में पक्ष कार बनने के लिए हस्तक्षेप आवेदन (इम्पैडिमैंट एप्लिकेशन) दायर करेगी। यदि कांग्रेस ऐसा करती है, तो यह अल्पसंख्यक अधिकारों के प्रश्न पर पार्टी की रणनीति में एक सूक्ष्म बदलाव होगा। हाल के वर्षों में कांग्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- कांग्रेस ने तय किया है कि 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के सख्त क्रियान्वयन के लिए सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप आवेदन दायर किया जाएगा। आर.जे.डी. तथा ओवैसी की पार्टी पहले इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज कर चुकी हैं।
- हृदय परिवर्तन का प्रमुख कारण आगरा में 17वीं सदी की इमारत ''मुबारक मंज़िल'', जिसे औरगज़ेब की हवेली के नाम से जाना जाता है, को तोड़ देना है।
- इसके अलावा आगरा के ताजमहल और अजमेर दरगाह के सर्वे की मांग की जा रही है और दावा किया जा रहा है कि ये इमारतें शिव मंदिर पर बनाई गई हैं।
- इससे पहले संभल की शाही मस्जिद का भी सर्वे करवाया गया था और वहाँ हरिहर मंदिर के अवशेष मिलने का दावा किया गया था, जिसके बाद संभल में हिंसा भड़क गई थी।
- कांग्रेस को लगता है कि अगर अभी वह अल्पसंख्यकों के लिए खड़ी नहीं हुई तो मुस्लिम वोट इससे और दूर होता चला जाएगा।

# कर्नाटक सरकार ने बसों का किराया 15 प्रतिशत बढ़ाया

## भाजपा ने कहा, महिलाओं को मुफ्त यात्रा कराने वाली शक्ति योजना के एवज़ में नव वर्ष का तोहफा दिया है कांग्रेस ने

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने शनिवार को राज्य परिवहन निगम की बसों और सिटी बसों का किराया 15 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जिसकी भाजपा ने कड़ी आलोचना की और कहा कि यह सरकार का उपभोक्ताओं को नव वर्ष का तोहफा है। भाजपा ने कहा कि यह किराया-वृद्धि सरकार के कुप्रबंध और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा- शक्ति योजना- की देन है।

जब से राज्य सरकार ने बस किराया बढ़ाने का फैसला किया है, भाजपा आंदोलन पर उतर आई है। भाजपा ने विरोध का नया तरीका अपनाया है, वह बस यात्रियों को गुलाब का फूल दे रही

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- भाजपा ने सरकार के इस फैसले पर विरोध का अनोखा तरीका अपनाया है। भाजपा के नेता व कार्यकर्ता बस यात्रियों को गुलाब का फूल दे रहे हैं और किराया बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री की तरफ से माफी मांग रहे हैं।
- राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने किराया वृद्धि के फैसले को उचित ठहराते हुए कहा, शक्ति स्कीम की वजह से खर्चा बहुत बढ़ गया है।
- राज्य परिवहन मंत्री की इस स्वीकारोक्ति से भाजपा के विरोध को और बल मिला है।

## दिल्ली विधानसभा चुनाव, भाजपा ने पहली लिस्ट जारी की

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 29 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट घोषित कर दी है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता को रोहिणी से पुनः टिकट दिया गया है, वहीं प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को नई दिल्ली, सरदार तरविंदर सिंह मारवाह को जंगपुरा, रमेश बिधूड़ी को कालकाजी, सरदार अरविंद सिंह लवली को गांधी नगर और सतीश उपाध्याय को मालवीय नगर से टिकट दिया गया है।

- पहली लिस्ट में 29 प्रत्याशियों के नाम हैं, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता भी शामिल हैं।

## प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला का निधन

मुंबई, 04 जनवरी। भारत के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला चिदंबरम का शनिवार तड़के निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारी ने बताया कि तड़के 3 बजकर 20 मिनट पर मुंबई जसलोक अस्पताल में राजगोपाला ने अंतिम सांस ली।

देश में परमाणु हथियार विकसित करने में डॉ. राजगोपाला की सक्रिय भूमिका रही। 1974 के पोखरण टेस्ट

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- डॉ. राजगोपाला ने 1998 में पोखरण टेस्ट साइंटिस्ट टीम का नेतृत्व किया था। उनका 1974 के पोखरण टेस्ट में भी महत्वपूर्ण योगदान था।

# 'राहुल गांधी काम सीख रहे हैं, प्रियंका बहुत तेजस्वी हैं'

## वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. करण सिंह ने एक न्यूज़ एजेन्सी को दिए इंटरव्यू में गांधी परिवार पर अपनी राय दी

-डॉ. सतीश मिश्रा
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। पुराने राजनेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री कर्ण सिंह का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ''काम सीख रहे हैं'' और उनमें सुधार हो रहा है। वहीं, उन्होंने प्रियंका गांधी की प्रशंसा के पुल बाँधते हुये, उन्हें ''तेजस्वी लड़की'' बताया है।

हाल ही में एक समाचार एजेंसी के ऑडियो-विज़ुअल कार्यक्रम में 93-वर्षीय करण सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद, नेहरू गांधी की चार पीढ़ियों के साथ उनका जुड़ाव रहा है। ज्ञातव्य है कि कर्ण सिंह पूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य के सदर-ए-रियासत (संवैधानिक प्रमुख) रह चुके हैं।

राहुल गांधी, जिन्हें हरियाणा एवं महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद बड़े मुश्किल सवालों का सामना करना पड़ रहा है, के बारे में पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, ''राहुल एक बहुत ही भले युवक हैं। मुझे वे बहुत प्रिय हैं।'' अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके, सिंह ने कहा कि राहुल गांधी उनके निकट सम्पर्क में रहा करते थे, लेकिन इन दिनों वे उतने निकट सम्पर्क में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''लेकिन मेरा मानना है कि उनमें सुधार हो रहा है।''

सिंह ने कहा, ''साल-दर-साल, वे निखर रहे हैं। मेरा मानना है कि काम सीख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह एक अव्यवहारिक प्रश्न है।''

सिंह, जो प्रियंका से उनके बचपन से ही परिचित हैं, उनकी प्रशंसा करने से स्वयं को नहीं रोक सके। उन्होंने कहा, ''वे कुशाग्रबुद्धि लड़की हैं, वे ज़िन्दादिल हैं। वे बहुत तेजस्वी हैं।'' पूर्व केन्द्रीय मंत्री कर्ण सिंह सबसे पहले 36 वर्ष की उम्र में इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में शामिल हुये थे। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को अपना ''मेन्टर'' बताया।

उन्होंने कहा, ''मैं उनके (इंदिरा गांधी) साथ मंत्रिमंडल में 10 साल रहा। मैंने उनका सबसे अच्छा क्षण- बाँग्लादेश (मुक्ति) देखा, तो उनका सबसे बुरा क्षण- आपातकाल भी देखा। सब देखा है।''

सिंह ने यह भी कहा कि 1991 में हुई राजीव गांधी की हत्या एक भयानक त्रासदी थी। उस समय, सब यह मानकर चल रहे थे कि वे ''भारत को 21 वीं सदी में ले जायेंगे।''

एक उत्कंठित संगीत प्रेमी, सिंह आज भी गाते हैं और सप्ताह में एक दिन ''रियाज़'' करते हैं। उन्होंने एक रहस्योद्घाटन करते हुये कहा कि 2006 में, राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर विचार किया गया था, लेकिन वामपंथी दलों ने इसे अस्वीकार कर दिया था। सिंह के अनुसार, 2006 में हुई एक मीटिंग में सोनिया गांधी ने उनका नाम प्रस्तावित किया था लेकिन वामपंथी दलों ने कहा, ''एक ''महाराजा'' हमारा राष्ट्रपति कैसे हो सकता है? प्रतिभा पाटिल 2007 में राष्ट्रपति बन गई थीं।''

सिंह, जिन्होंने ''इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस'' तथा यूनेस्को में भी अपनी सेवाएं दीं, ने कहा, लेकिन उन्हें राष्ट्रपति न बनाये जाने का कोई अफसोस नहीं है।

- कश्मीर के पूर्व महाराजा, 93 वर्षीय करण सिंह का नेहरू गांधी परिवार से संबंध चार पीढ़ी पुराना है। वे नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के निकट सम्पर्क में रहे हैं।
- उन्होंने राहुल के बारे में कहा, राहुल बहुत भले आदमी हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूँ, पहले वे मेरे टच में थे आजकल नहीं हैं, पर उनमें लगातार निखार आ रहा है।
- करण सिंह ने कहा कि प्रियंका को वे बचपन से जानते हैं, वह बहुत समझदार और गुणी हैं, उनमें बहुत संभावनाएं हैं।
- करण सिंह ने बताया कि 2006 में सोनिया गांधी ने उन्हें राष्ट्रपति बनाने का प्रस्ताव रखा था, पर वामपंथियों ने यह कह कर प्रस्ताव ठुकरा दिया था कि ''महाराजा'' हमारा राष्ट्रपति कैसे बन सकता है। उसके बाद प्रतिभा पाटिल राष्ट्रपति बनी थीं।

## तमिलनाडु-पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 6 श्रमिक मरे

विरुधुनगर 04 जनवरी। तमिलनाडु के विरुधनगर के अप्पानाइकेनपट्टी गांव में शनिवार को एक निजी पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट होने से छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार साईनाथ फायरवर्क्स फैक्ट्री में जब श्रमिक फैंसी किस्म के पटाखे बनाने के लिए अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों को मिला रहे थे तभी जोरदार विस्फोट हुआ। शक्तिशाली विस्फोटों की एक श्रृंखला ने चार गोदाम को तहस-नहस कर दिया, जहां तैयार पटाखों और रसायनों

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- साईंनाथ फायरवर्क्स में फैंसी किस्म के पटाखे बनाते समय जोरदार विस्फोट हुआ।

## विचार बिन्दु

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है। –विनोबा

# शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है: हरित्समुच्चय: शुभहेतुरेष:,स्वस्थं शरीरं मनसश्च शान्तिम्। विनाशयत्या शुगदांस्तथान्या:, सृजत्ययुं दीर्घमथो समृद्धिम्।। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल, धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है, और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव, और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप, में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research : 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियलीमिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

**तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।**

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place : 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेहकी घटनाएं कम थीं।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3,2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301,2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप)में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135-136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रैंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शनका उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआईमें 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशततक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116,2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749 स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई नेविशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:469-477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार, और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर,हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनु: सुदृढ्यामनस: प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च।। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्क का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना, और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ. दीप नारायण पाण्डेय**
**( भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर )**
**( यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं )**

# साइबर सुरक्षा: बढ़ते साइबर खतरों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीक

प्रो. अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। हर दिन नए-नए साइबर खतरे उभर रहे हैं, जो व्यक्तिगत, व्यावसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

**साइबर सुरक्षा क्या है? :-** साइबर सुरक्षा डिजिटल सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को अनधिकृत पहुंच, उपयोग, खुलासा, विकृति, विनाश या अवरोध से बचाने के लिए आवश्यक उपायों और प्रक्रियाओं का समूह है।

बढ़ते साइबर खतरे

साइबर खतरे लगातार बदलते रहते हैं और अधिक जटिल होते जा रहे हैं। कुछ प्रमुख साइबर खतरे निम्नलिखित हैं:

**मैलवेयर:** दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर जो सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है या डेटा चोरी कर सकता है।

**फ़िशिंग:** धोखेबाजों द्वारा संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक तकनीक।

**रैंसमवेयर:** डेटा को एन्क्रिप्ट करने और फिर उसे वापस पाने के लिए फिरौती मांगने वाला एक प्रकार का मैलवेयर।

**डेनियल-ऑफ़-सर्विस हमले:** किसी सिस्टम या नेटवर्क को अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से अनुपयोगी बनाने के लिए किए जाने वाले हमले।

**सोशल इंजीनियरिंग:** लोगों को धोखे में डालकर संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने की एक तकनीक।

**साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल**

**साइबर सुरक्षा पेशेवरों को निम्नलिखित कौशल होने चाहिए:–**

**तकनीकी कौशल:** नेटवर्किंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस, प्रोग्रामिंग और सुरक्षा उपकरणों का ज्ञान।

**समस्या सुलझाने की क्षमता:** जटिल सुरक्षा समस्याओं का विश्लेषण करने और समाधान खोजने की क्षमता।

**संचार कौशल:** तकनीकी जानकारी को गैर-तकनीकी लोगों को समझाने की क्षमता।

**नैतिक हैकिंग:** सुरक्षा कमजोरियों का पता लगाने के लिए हैकिंग तकनीकों का उपयोग करने की क्षमता।

**अद्यतन रहने की क्षमता:** साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में लगातार नए खतरे और तकनीकें उभरती रहती हैं, इसलिए एक साइबर सुरक्षा पेशेवर को हमेशा अद्यतन रहना चाहिए।

**साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक तकनीकें**

**साइबर सुरक्षा के लिए निम्नलिखित तकनीकों का उपयोग किया जाता है:–**

**फ़ायरवॉल:** अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए नेटवर्क ट्रैफ़िक को फ़िल्टर करता है।

**एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर:** मैलवेयर से बचाने में मदद करता है।

**इंट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम :** नेटवर्क पर हमलों का पता लगाता है।

**इंक्रिप्शन:** डेटा को सुरक्षित करने के लिए इसे कोड में परिवर्तित करता है।

**बैकअप:** डेटा हानि की स्थिति में डेटा को पुनर्स्थापित करने के लिए।

**निष्कर्ष–** साइबर सुरक्षा एक तेजी से विकसित होता हुआ क्षेत्र है। साइबर खतरों से निपटने के लिए, संगठनों को मजबूत साइबर सुरक्षा रणनीतियां लागू करनी चाहिए और कुशल साइबर सुरक्षा पेशेवरों को नियुक्त करना चाहिए। व्यक्तियों को भी अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक होना चाहिए।

**–प्रो. अशोक कुमार,**
**पूर्व कुलपति कानपुर,**
**गोरखपुर विश्वविद्यालय,**
**विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय**

# राव शिवराजपाल सिंह की पुस्तक का विमोचन

## केंद्रीय मंत्री यादव ने ''मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां'' पुस्तक का विमोचन किया

**शिवराजपाल सिंह की ''मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां'' पुस्तक का केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने विमोचन किया।**

**जयपुर।** राव शिवराजपाल सिंह की पुस्तक ''मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां'' का केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन स्थित कार्यालय में विमोचन किया।

इस अवसर पर मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई पीढ़ी के बाल मनोविज्ञान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली कहानियों की आवश्यकता पर अपनी राय व्यक्त की। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार आंग्ल नव वर्ष के अवसर पर करौली जिले के इनायती गांव के निवासी वरिष्ठ साहित्यकार राव शिवराज पाल सिंह की भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में भेंट हुई। मुलाकात में मंत्री यादव ने करौली जिले के जल संसाधनों, वन एवं पर्यावरण पर भी चर्चा कर रुचि दिखाई। इस अवसर पर रतलाम भाजपा के मंत्री कीर्ति शरण सिंह और मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य निमिष भी उपस्थित थे। उनसे भी मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्थानीय राजनीति और जल विषयक मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री भूपेंद्र यादव ने राव की पुस्तक को नई पीढ़ी के बच्चों के लिए बहुत प्रेरणास्पद बताया।

# रीट-2024 : 5.29 लाख आवेदन प्राप्त हुए

## आगामी 27 फरवरी को होगी रीट-2024 परीक्षा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के लिए शनिवार शाम तक करीब 5.29 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जनवरी है और परीक्षा 27 फरवरी को आयोजित की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को परीक्षा केंद्रों की सूची 5 जनवरी तक मिलने की संभावना है। रीट-2024 के लिए दो लेवल निर्धारित किए गए हैं। इस परीक्षा के लिए अब तक प्रथम लेवल के लिए 1,60,320 और द्वितीय लेवल के लिए 3,65,230 और दोनों लेवल के लिए 40,141 आवेदन प्राप्त हुए हैं। शेष दस दिनों में 6 से 8 लाख और आवेदन आने की संभावना जताई जा रही है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

प्रमुख रूप से परीक्षा सामग्री लाने-ले जाने वाले वाहनों को जीपीएस सिस्टम से लैस किया जाएगा। चोरी या अनधिकृत उपयोग की स्थिति में तुरंत अलर्ट मिल सकेगा। परीक्षा केंद्र पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ पत्र देना होगा कि उनका कोई परिचित परीक्षा में शामिल नहीं हो रहा है। पूर्व में पेपर लीक या अन्य अनैतिक गतिविधियों में शामिल कर्मचारियों को परीक्षा कार्यों से पूरी तरह दूर रखा जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और परीक्षा की पूरी गतिविधियों की वीडियोग्राफी होगी। इन रिकॉर्डिंग्स को सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही परीक्षा के प्रश्न पत्र सरकारी ट्रेजरी में डबल लॉक सुरक्षा के तहत रखे जाएंगे, जहां ट्रेजरी नहीं है वहां अस्थायी ट्रेजरी बनाई जाएगी। जानकारी के अनुसार परीक्षा के लिए केवल सरकारी शिक्षण संस्थानों को ही केंद्र बनाया जाएगा। किसी भी निजी संस्थान का उपयोग नहीं किया जाएगा। रीट परीक्षा की निगरानी के लिए जिला स्तर पर परीक्षा संचालन समिति का गठन किया गया है। इसके अध्यक्ष जिला कलेक्टर होंगे, जबकि अतिरिक्त जिला कलेक्टर को नोडल अधिकारी और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। प्रदेश में परीक्षा 41 जिलों में आयोजित की जाएगी। जरूरत पड़ने पर बड़े उपखंडों में भी परीक्षा केंद्र बनाए जा सकते हैं।

बोर्ड सचिव और रीट समन्वयक कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि 5 जनवरी तक सभी जिलों से परीक्षा केंद्रों की सूची मांगी गई है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा केंद्रों की अंतिम संख्या तय की जाएगी।

# ब्रेन ट्यूमर पीड़ित अध्यापिका को उच्च न्यायालय ने राहत दी

**जोधपुर,** (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश अरूण मोंगा ने ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित अध्यापिका ग्रेड तृतीय लेवल-2 को राहत देते हुए उसके 21 दिसम्बर 2024 के समायोजन आदेश पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

कमला राजपुरोहित वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डोली राजपुरा जिला बालोतरा में कार्यरत है। शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों को विभाग द्वारा अधिशेष एवं समायोजन के संदर्भ में 14 नवम्बर 2024 को दिशा निर्देश जारी कर अध्यापकों का समायोजन किया गया। समायोजन करने के दिशा निर्देशों में यह स्पष्ट रूप से अंकित था कि गंभीर बीमारी से ग्रसित अध्यापकों को जिन्हें किडनी, कैंसर, गुर्दा प्रत्यारोपण, हृदय रोग व ब्रेन ट्यूमर है, उन्हें इस समायोजन की प्रक्रिया से अलग रखा जायेगा व इनके स्थान पर इनसे कनिष्ठ अध्यापकों का समायोजन किया जायेगा। विभाग द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश के बावजूद भी जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा, बालोतरा द्वारा 7 दिसम्बर 2024 को उसका स्थानान्तरण वर्तमान विद्यालय से राजकीय उच्च माध्यमिक, पटाऊ खुर्द कर दिया गया। विभाग के आदेश से व्यथित होकर उसने एक परिवेदना जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) बालोतरा को प्रस्तुत किया एवं अपनी बीमारी के संबंधित सभी दस्तावेज भी प्रस्तुत किये। प्रार्थी के परिवेदना प्रस्तुत करने पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के स्थान पर प्रारम्भिक शिक्षा (मुख्यालय) बालोतरा द्वारा आदेश 21 दिसम्बर 2024 को 07 दिसम्बर 2024 में संशोधन करते हुए उसे पहले के स्थान से भी अधिक दूर राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भीलों की ढाणी ट्रांसफर कर दिया गया जो कि पूर्व विद्यालय से भी 50 किलोमीटर दूर है।

- **अध्यापिका ग्रेड तृतीय लेवल-2 को 21 दिसम्बर 2024 के समायोजन आदेश पर रोक लगाने के आदेश दिए**
- **प्राथमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी किया**

विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर प्रार्थीनी ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के समक्ष प्रार्थीनी के अधिवक्ता का यह तर्क था कि शिक्षा विभाग द्वारा गंभीर रोग से ग्रस्ति कर्मचारियों के संदर्भ में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि गंभीर रोग से ग्रसित कर्मचारियों को अधिशेष व इसके पश्चात् समायोजन नहीं किया जायेगा। इसके बावजूद भी प्रार्थीनी जो कि ब्रेन ट्यूमर कि गम्भीर बीमारी से लम्बे समय से ग्रसित है उसको अधिशेष घोषित कर समयोजित किया गया है जो अनुचित है, तथा उसके परिवेदना प्रस्तुत करने पर उसे ओर अधिक दूर समायोजित किया गया जो विभाग के दिशा निर्देशों व मानवीयता के विरूद्ध है। प्रार्थीनी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रार्थीनी की रिट याचिका को विचारार्थ अंतरिम रूप से स्वीकार करते हुए प्राथमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया व प्राथमिक शिक्षा विभाग के आदेश 21 दिसम्बर 2024 पर रोक लगा दी।

## राशिफल रविवार 5 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:18 तक, व्यतिपात योग प्रात: 7:32 तक, कौलव करण प्रात: 9:09 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:35 से मीन राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 6:18 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 8:16 से रात्रि 8:18 तक है। सर्वार्थ सिद्धि और राजयोग रात्रि 8:18 से सूर्योदय तक है।

आज अनुरूपा छठ, पंचक, व्यतिपात पुण्य है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर 8:39 से 9:56 तक, लाभ-अमृत 9:56 से 12:32 तक, शुभ 1:50 से 3:08 तक।

**राहूकाल:** 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:43

**मेष**
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

**वृष**
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

**मिथुन**
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

**कर्क**
अपनी कार्य योजना को सीमित रखना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**सिंह**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

**कन्या**
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**तुला**
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृश्चिक**
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

**धनु**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। आज परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**मकर**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**कुंभ**
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**मीन**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

## 1.30 करोड़ के काम मंजूर

**बीकानेर,**(कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के प्रयासों से नापासर नगर पालिका में करीब एक करोड़ 30 लाख रूपए की लागत के पेयजल आपूर्ति और सड़क निर्माण के कार्य करवाए जायेंगे।

गोदारा ने बताया कि नापासर में हैड वर्क वन ओर हैड वर्क टू के पास दो नए ट्यूबवैल निर्माण की स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने बताया कि हैड वर्क वन के पास ट्यूबवैल निर्माण के लिए 44 लाख 99 हजार तथा हैड वर्क 2 के पास ट्यूबवैल निर्माण के लिए 44 लाख 50 हजार रूपए व्यय किए जायेंगे। इन ट्यूबवेल्स के निर्मित होने से कस्बे वासियों को निर्बाध पेयजल आपूर्ति हो सकेगी।

लम्बे समय से कस्बे वासियों द्वारा पेयजल आपूर्ति सुचारू करने के लिए इन ट्यूबवैल की मांग की जा रही थी। इसके मध्य नजर प्राथमिकता से ये स्वीकृतियां जारी करवाई गई हैं। गोदारा ने बताया कि नापासर कस्बे की सड़क निर्माण के लिए 40 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस सड़क के बनने से कस्बे वासियों को आवागमन में आसानी हो सकेगी।

गोदारा ने कहा कि नापासर नगर पालिका के विकास हेतु विद्युत, पेयजल आपूर्ति और नई सड़कों का निर्माण तथा आवश्यकता अनुसार सड़कों के नवीनीकरण के लिए नियमित रूप से स्वीकृतियां करवाई जा रही है। आगे भी आवश्यकता अनुसार नई विकास कार्य स्वीकृत करवाएं जायेंगे।

इन कार्यों में संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार शहरी निकायों के ढांचे को विकसित करने के लिए नियमित रूप से स्वीकृतियां जारी कर रही हैं।

# 'पशु प्रजातियों के संरक्षण का मॉडल परिस्थिति के अनुसार करें'

**बीकानेर,** (कासं)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र पर आज दो दिवसीय पशु संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन डॉ बी. पी. मिश्रा, निदेशक राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल, हरियाणा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

समापन समारोह में डॉ मिश्रा ने कहा कि पशु प्रजातियों के संरक्षण का एक ही मॉडल हर जगह फिट नहीं होता। समय, परिस्थिति एवं स्थान अनुसार उचित मॉडल का चयन करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बताया

- अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन पर डॉ. बी. पी. मिश्रा ने ऊंट पालकों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

की हलारी अश्व के संरक्षण के लिए उन्होंने दो जगह एक साथ यह कार्य सौंपा। उनका मकसद यह था कि अश्व अनुसंधान संस्थान जहां नए-नए अन्वेषण करेगा एवं इसकी उपयोगिता बढ़ायेगा व पशु पालकों को प्रशिक्षित करेगा वहीं दूसरी संस्था किसानों के पशुओं के साथ कार्य करते हुए इनका प्रजनन, प्रबंधन एवं विपणन में सहायता प्रदान करेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केन्द्र के प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस. सी. मेहता ने कहा कि पशुओं के संरक्षण पर चल रही नेटवर्क परियोजना के तहत इस कार्यक्रम को खास गुजरात के किसानों को ध्यान में रखकर बनाया गया। प्रशिक्षण में किसानों को अश्वों के प्रजनन, खानपान, बीमारियों की जानकारी के साथ- साथ अश्वों में मशीन से दूध निकालना, दूध का पाउडर बनाना, सिमन क्रायोप्रीज़र्व करना एवं फार्म ऑटोमेशन की जानकारी दी गई।

डॉ मेहता ने आव्हान किया कि अश्वों के दूध की विशेषताओं एवं दर के बारे में भ्रामक वक्तव्यों एवं विज्ञापनों पर ध्यान नहीं दें एवं वास्तविकता एवं वैज्ञानिक शोध पर आधारित तथ्यों पर ही ध्यान दें। उन्होंने हलारी के संरक्षण हेतु उच्च गुणवत्ता वाले नर पशु केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराने की बात कही एवं किसानों को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ समर कुमार घुराई ने कहा कि आज समय इस निरीह प्राणी की रक्षा करने का है। आज तक यह मानव जाति की निस्वार्थ सेवा करता आया है एवं अब समय इसको बचाने का है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ रमेश देदड एवं डॉ टी. राव के निर्देशन में हुआ एवं इसका संयोजन डॉ कुट्टी एवं डॉ जितेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुहैब ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ कुट्टी ने किया। कार्यक्रम में केन्द्र के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ बी. पी. मिश्रा का विशिष्ट उपलब्धियों के कारण आज बीकानेर शहर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन किया गया। ज्ञात रहे कि डॉ मिश्रा बीकानेर की डॉ बीना चौहान जो की आईसीएआर में प्रधान वैज्ञानिक हैं, उनके पति हैं। डॉ बिष्णु प्रसाद मिश्रा के जीवन एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के प्रभागाध्यक्ष एवं संयोजक समता सेवा केन्द्र डॉ एस. सी. मेहता ने बताया कि डॉ मिश्रा वर्तमान में निदेशक हैं राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल के एवं अब तक कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

## जिला स्तरीय हेरिटेज समिति गठित

**बीकानेर,**(कासं)। हेरिटेज सरंक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिला स्तरीय हेरिटेज समिति का गठन किया।

यह समिति बीकानेर की ऐतिहासिक इमारतों, हवेलियों, कुओं, बावड़ियों व सांस्कृतिक महत्व के स्मारकों के सरंक्षण एवं संवर्धन की दिशा में कार्य करेगी। समिति का मुख्य कार्य हेरिटेज संबंधित गतिविधियों की निगरानी, हेरिटेज वॉक के माध्यम से टूरिज्म को बढ़ावा एवं बीकानेर के पारम्परिक क्राफ्ट, खान-पान एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का संवर्धन रहेगा।

समिति की अनुशंषा पर नगर निगम में हेरिटेज सेल का गठन भी किया जायेगा। जिससे शहरी परकोटे की ऐतिहासिक इमारतों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। जयपुर हेरिटेज की तर्ज पर बीकानेर को हेरिटेज सिटी बनाने की दिशा में भी यह समिति प्रस्ताव तैयार करेगी।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्य सचिव नगर निगम आयुक्त होंगे। इसमें जिला पुलिस अधीक्षक, नगर विकास न्यास सचिव, अभिलेखागार निदेशक, जिला परिवहन अधिकारी, पीडब्लयूडी, विद्युत और नगर निगम के अधीक्षण अभियंता, वरिष्ठ नगर नियोजक, पुरातत्व विभाग के वृत्त अधीक्षक, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक, यातायात पुलिस के उप अधीक्षक पदेन सदस्य होंगे। वहीं होटल व्यवसाय, टूर एंड ट्रैवल एजेंसी, मार्केट एसोसिएशन, इन्टेक के बीकानेर चैप्टर, गाइड एसोसिएशन, स्वयंसेवी संस्थान तथा हवेली संगठन के प्रतिनिधि भी इसके सदस्य होंगे।

## सार-समाचार

### रजनी छाबड़ा की पुस्तकों का विमोचन

डॉ. रजनी छाबड़ा की हिन्दी कविता संग्रह 'परम सत्ता में लीन' पुस्तक का विमोचन किया।

**बीकानेर,** (कासं)। वरिष्ठ कवयित्री डॉ. रजनी छाबड़ा की दो पुस्तकों का शनिवार को विमोचन किया गया। डॉ. छाबड़ा द्वारा डॉ. अंजु दुआ जैमिनी के हिन्दी कविता संग्रह 'परम सत्ता में लीन' के अंग्रेजी अनुवाद 'मर्जिंग विद द डिवाइन' के रूप में किया गया है। वहीं उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक अंकशास्त्र की व्यवहारिक गाइड का भी इस दौरान विमोचन किया।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि कथाकार राजेंद्र जोशी थे। उन्होंने कहा कि साहित्य में अनुवाद कर्म अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। इसमें मूल सृजन की भावना को बरकरार रखते हुए उसे दूसरी भाषा में पठनीय बनाना होता है। उन्होंने कहा कि डॉ. छाबड़ा इस पर खरी उतरी हैं और अंग्रेजी में बेहतर अनुवाद किया है। अध्यक्षता करते हुए डॉ. नीरज दैया ने कहा कि साहित्यकार का अंक शास्त्री होना बेहद दुर्लभ संयोग है। डॉ. छाबड़ा ने साहित्य सृजन के साथ अंक ज्योतिष के क्षेत्र में भी भरपूर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. छाबड़ा ने अपनी पुस्तक में अंक शास्त्र से जुड़ी गूढ़ बातों को सहज तरीके से प्रस्तुत किया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए राजभाषा संपर्क अधिकारी हरि शंकर आचार्य ने कहा कि डॉ. छाबड़ा ने सदैव सामाजिक विद्रूपताओं के विरूद्ध कलम चलाई है। उनकी रचनाएं समाज को दिशा दिखाती हैं। सपाटबयानी इनकी सबसे बड़ी खूबी है, जो पाठकों के मन में सीधे उतरती हैं। डॉ. कृष्णा आचार्य और मोनिका गौड़ ने दोनों पुस्तकों पर पत्र वाचन किया। डॉ. बसंती हर्ष ने गीत के माध्यम से डॉ. छाबड़ा के रचनाकर्म को रेखांकित किया। डॉ. रजनी छाबड़ा ने अपनी पुस्तकों के अंशों का वाचन किया और सभी के प्रति आभार जताया।

### भीमसेन चौधरी का जन्मदिवस आज

**बीकानेर,** (कासं)। किसान नेता व पूर्व मंत्री भीमसेन चौधरी का 101 वां जन्मदिवस 5 जनवरी को मनाया जायेगा। इसे लेकर भीमसेन चौधरी स्मारक समिति सहित विभिन्न संस्थाओं की ओर से कार्यक्रम होंगे। भीमसेन चौधरी स्मारक समिति के अर्जुनराम कूकणा ने बताया कि धोरों में नहर का पानी लिफ्ट करवाकर हरित क्रांति लाने वाले किसान नेता भीमसेन चौधरी ने बीकानेर की समृद्धि के लिए ऐतिहासिक काम करवाएं। बीकानेर के प्रथम जिला प्रमुख, लूणकरनसर से छह बार विधायक व राजस्थान सरकार में उद्योग मंत्री रहे भीमसेन चौधरी ने उरमूल डेयरी की स्थापना करते हुए बीकानेर क्षेत्र में दुग्ध क्रांति लाने काम किया। कूकणा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत पर चलते हुए स्व. भीमसेन चौधरी ने पशु बलि के विरोध में विधानसभा में निजी बिल पारित करवाकर उसे लागू करवाया। कूकणा ने बताया कि मरूधरा के गांधी भीमसेन चौधरी का 101 वां जन्मदिवस आगामी 5 जनवरी को मनाया जायेगा, जिसे लेकर मुख्य कार्यक्रम बीकानेर स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर आयोजित किया जायेगा। इसके बाद बीकानेर शहर में स्थित भीमसेन चौधरी बाल उद्यान व स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय स्थित भीमसेन चौधरी किसान घर सहित जिले के लूणकरनसर व अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। लूणकरनसर स्थित भीमसेन चौधरी किसान छात्रावास में 5 जनवरी को ही सुबह 11:30 बजे प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है। वहीं लूणकरनसर कस्बे में भीमसेन चौधरी राजकीय महाविद्यालय तथा भीमसेन चौधरी पब्लिक पार्क में भी पूर्व मंत्री भीमसेन चौधरी के 101 वें जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित होगा।

### आवास आवंटन की मांग

**बीकानेर,** (कासं)। अखिल भारतीय सफाई श्रमिक कांग्रेस ने भजनलाल सरकार से आवासहीन सफाई कार्मिकों व वाल्मीकि समुदाय को नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग द्वारा नि:शुल्क व न्यूनतम दर पर आवासीय कॉलोनियों का निर्माण कर नए वर्ष- 2025 पर क्वार्टर्स आवंटन करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वाल्मीकि मुकेश राजस्थानी ने बताया कि विगत 50 वर्षों से आवासीय निर्माण कार्य राजनीति की भेंट चढ़ जाने से कॉलोनियों का निर्माण बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। जिससे संगठन ने गंभीरता से लेते हुए रोष व्यक्त किया हैं। अ.भा.सफाई श्रमिक कांग्रेस अध्यक्ष व वरिष्ठ दलित सामाजिक नेता मुकेश राजस्थानी ने कहा कि भजनलाल सरकार का एक वर्षीय कार्यकाल अवधि में वाल्मीकि समुदाय के सफाई कार्मिकों को सामाजिक स्तर पर कुछ नहीं मिला हैं। ऐसे में संगठन ने आशा जताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा समेत संबंधितों को पत्र प्रेषित कर आग्रह किया है कि सरकार अपने दूसरे कार्यकाल अवधि-2025 में प्रदेश स्तर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग द्वारा सफाई कार्मिकों एवं वाल्मीकि समुदाय के आवासहीनों को क्वार्टरों का निर्माण कर नई कॉलोनियां विकसित करायें। जिससे सफाई श्रमिक व वाल्मीकि समुदाय को आवास उपलब्ध हो सकें।

### सर लुई ब्रेल की जयंती मनाई

**बीकानेर,** (कासं)। सौर चेतना एवं ऊर्जा विज्ञान शोध संस्थान द्वारा संचालित सेवा आश्रम 1 विशेष आवासीय विद्यालय में शनिवार को सर लुई ब्रेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर नेत्रहीन बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान याकूब तथा द्वितीय स्थान मोहनराम ने हासिल किया। ब्रेल लिपि पठन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नारायण, द्वितीय स्थान अंकित ने और ब्रेल लिपि लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अरूण ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विशेष शिक्षक पृथ्वीराज ने लुई ब्रेल की जीवनी के बारे में बताया। लुई ब्रेल ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए पढ़ना और लिखना संभव बनाया। नेत्रहीन और आंशिक दृष्टि वाले लोगों के लिए संचार माध्यम के रूप में कार्य करता है। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाध्यापिका भावना गौड़, विशेष अध्यापक मनोज कुमावत, लक्ष्मी रावत, गुंजन तंवर, देवेन्द्र वर्मा, सौरभ पाल आदि मौजूद थे।

# ऑन्को सर्जिकल विंग शुरू करने के लिए पैरामेडिकल स्टाफ मांगा

**बीकानेर,** (कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल परिसर स्थित आचार्य तुलसी कैंसर ट्रीटमेंट एंड रिसर्च सेंटर के आंको सर्जिकल विभाग के लिए अलग से बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। इसक उद्घाटन 26 जनवरी को कराने की कवायद की जा रही है।

ऑन्को सर्जिकल विंग में 52 बैड होंगे। कैंसर रोगियों की सर्जरी करने से लेकर भर्ती होने तक की अलग व्यवस्था रहेगी। तीन मंजिला बिल्डिंग का निर्माण भामाशाह सुंदरलाल डागा चैरिटेबल ट्रस्ट ने कराया है। इसका नाम आचार्य नानेश रामेश कैंसर चिकित्सा केन्द्र रखा गया है। बिल्डिंग के निर्माण पर करीब चार करोड़ रूपए खर्च हुए हैं। इतनी की राशि राज्य सरकार ने भी मंजूर की थी, जिससे दो मॉड्यूलर ऑटी, एक आईसीयू और मल्टीपल गैस प्लांट लगाया जायेगा।

- ऑन्को सर्जिकल विंग की 52 बैड की बिल्डिंग तैयार
- 26 जनवरी को इसके उदघाटन की तैयार

ऑन्को सर्जिकल विंग को शुरू करने के लिए पीबीएम अधीक्षक से पैरामेडिकल स्टाफ मांगा गया है। सर्जरी विंग अलग होने के कारण नर्सिंग स्टाफ, अटेंडेंट, सफाई कर्मी, गार्ड आदि लगाए जायेंगे। इसे लेकर कैंसर हॉस्पिटल की कार्यवाहक डायरेक्टर डॉ. नीति शर्मा और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर एंड हैड डॉ. संदीप गुप्ता ने पीबीएम अधीक्षक के साथ मीटिंग की। सर्जिकल विंग में फिलहाल डॉ. संदीप गुप्ता और असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर डॉ. राजेंद्र बोथरा कार्यरत हैं, जो ट्रस्ट की ओर से लगाये गए हैं। इनके अलावा वहां कोई स्थायी फैकल्टी नहीं है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 2022-23 में कैंसर सर्जरी को अलग से विभाग घोषित कर दिया था। लेकिन वर्तमान में कैंसर सर्जरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग एक ही बिल्डिंग में चल रहे हैं। कैंसर सर्जरी का हर महीने 1200 से 1500 मरीजों का ओपीडी रहता है। करीब इतने ही मरीज भर्ती किए जाते हैं। इसके अलावा 500 मेजर और 1500 माइनर सर्जरी के केस होते हैं। नई बिल्डिंग मिलने से मरीजों को काफी सुविधा हो जायेगी।

आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल का सर्जरी कैंसर केयर सेंटर 10 साल बाद भी अधूरा है। सेंटर को 2015 में अपग्रेड करते हुए यहां प्रदेश का पहला टर्सरी कैंसर केयर सेंटर स्थापित करने के लिए 45 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे।

## विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण

**गजसिंहपुर,** (कासं)। श्रीकरणपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर ने अपने जन्मदिन पर जनसुनवाई की तथा विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर ने अपना जन्मदिन सादगी से बच्चों के साथ मनाया और सड़कों का शिलान्यास किया। कुन्नर के नीति सहायक सांवरमल शर्मा ने बताया कि गांव 3 सी सी, 2केके, व 5 पीपी सहित अनेक गांवों में लाखों रूपये की लागत से बनाई गई सड़कों व अन्य कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर क्षेत्र वासियों को जन्म दिन पर सौगात दी।

जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। उनके साथ सांसद कुलदीप इंदौरा व उप जिला प्रमुख सुदेश मोर व पंचायत समिति प्रधान सुनिता पूनिया तथा अन्य कार्यकर्ता थे।

# यूजी-पीजी के अभ्यर्थी आठ से भरेंगे परीक्षा फॉर्म

**बीकानेर,** (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय ने मुख्य परीक्षा- 2025 की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय में मुख्य परीक्षा सहित सेमेस्टर दिसम्बर -2024 परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने का नोटिफिकेशन शुक्रवार को जारी कर दिया है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जायेगी। संभाग के 482 कॉलेज में पढ़ने वाले यूजी - पीजी के करीब चार लाख अभ्यर्थी 8 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सामान्य शुल्क में 17 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। 100 रूपए विलम्ब शुल्क के साथ अभ्यर्थी 18 से 24 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। द्वितीय चरण में बीएड, एमएड, बीए-बीएड, बीएससी - बीएड, बीपीएड सहित अन्य कक्षाओं के अभ्यर्थी 15 जनवरी से 24 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। द्वितीय चरण के ऑनलाइन आवेदन के तहत 100 रूपए विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन का मौका 25 से 31 जनवरी तक रहेगा। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा का कार्यक्रम घोषित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन आवेदन करने के बाद परीक्षार्थियों को 5 दिन के अंदर संबंधित महाविद्यालय अथवा परीक्षा केन्द्र पर आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करानी होगी। पहली बार परीक्षा फॉर्म भर रहे अभ्यर्थी बिना अपार आईडी के ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पायेंगे। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन से पहले अपार आईडी बनाना जरूरी होगा। एमजीएसयू में परीक्षा की तैयारी शुरू, दो चरणों में होगी।

- अपार आईडी के बिना ऑनलाइन आवेदन नहीं होगा

# तेज धूप से कम हुआ सर्दी का असर

**बीकानेर,** (कासं)। यहां शनिवार सुबह कोहरे के बजाय धूप खिल गई। नौ बजे तक ही धूप ने सर्दी को काफी कम कर दिया जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

शहर और गांव दोनों में ही सर्दी पिछले दो दिन से कम है, जिसमें शुक्रवार की रात का पारा ज्यादा नहीं रहा। शुक्रवार दोपहर से ही धूप ने सर्दी को कम किया है। पिछले चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछले दस दिनों में इतना तापमान पहली बार हुआ है। अब तक पारा 20 से 21 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंच रहा था। लेकिन अचानक 27 डिग्री सेल्सियस तक आते ही गर्मी का अहसास होने लगा है। इतना ही नहीं न्यूनतम तापमान भी 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुक्रवार की रात लोगों ने तापमान में इस बढ़ोतरी का अहसास भी किया। उधर मौसम विभाग ने अगले दो दिन बीकानेर संभाग में बारिश की चेतावनी दी हुई है। बीकानेर जिले में तो बारिश की उम्मीद कम है लेकिन श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू में जमकर बारिश हो सकती है। अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही साबित होती है तो तापमान में फिर गिरावट आयेगी।

- हालांकि मौसम विभाग ने दो दिन में बारिश की संभावना जताई है

## चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

**बीकानेर,** (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा एवं जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देश पर रसद विभाग द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध विक्रय, भंडारण, व्यावसायिक उपयोग के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है।

अभियान के तहत शनिवार को प्रवर्तन अधिकारी मनीष अवस्थी द्वारा छगनलाल पुत्र केवल राम निवासी कपूरीसर के स्थान पर कार्यवाही में मौके पर 4 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। भारतमाला मार्ग के शेखसर कट के पास मनीराम पुत्र रूघ गर निवासी मलकीसर छोटा (पीपेरां) की दुकान पर व्यावसायिक उपयोग किया जाना पाये जाने पर 2 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि आगामी समय में कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

# सब स्टैंडर्ड मामले में निर्माता, होलसेलर और रिटेलर पर जुर्माना

**श्रीगंगानगर,** (कासं)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के एक मामले में न्यायालय ने अमानक पाये जाने पर खाद्य पदार्थ निर्माता, होलसेलर एवं रिटेलर तीनों को सजा सुनाई।

ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर अपील की है कि दुकानदार शुद्ध खाद्य पदार्थ ही बेचें और यदि कहीं मिलावटी, अवधिपार या अशुद्ध खाद्य पदार्थ बेचा जा रहा है तो उसकी आमजन शिकायत अवश्य करें। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 16 स्थित ए टू जैड डिपार्टमेंटल स्टोर पर विभागीय टीम ने निरीक्षण कर बेसन (बिसाऊवाला श्री ब्रांड) का सैंपल लिया, जो जांच में सब स्टैंडर्ड पाया गया। इस पर संबंधित के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत न्यायालय में वाद दायर किया गया। जिस पर न्यायालय ने इसे गंभीरता से लिया। खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 26(2)(II) के अनुसार कोई भी खाद्य व्यवसाय संचालक स्वयं या अपनी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा कभी भी खाद्य पदार्थ का निर्माण, भंडारण, बिक्री या वितरण नहीं करेगा जो गलत ब्रांडेड या घटिया है या जिसमें बाहरी पदार्थ शामिल है।

सब स्टैंडर्ड खाद्य पदार्थ का विनिर्माण करने पर मैसर्स भगवती उद्योग नजदीक पुलिस स्टेशन, बिसाऊ जिला झुंझुनू (निर्माता) को तीन लाख रुपए आर्थिक दण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय ने कहा कि अधिनियम के तहत ऐसा खाद्य पदार्थ बेचना असुरक्षित श्रेणी में आता है।

सब स्टैंडर्ड खाद्य पदार्थ का भण्डारण व आगे विक्रय करने पर थोक विक्रेता मैसर्स पारस होलसेल भण्डार, सोनी मार्किट के पास, सूरतगढ को एक लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं इस खाद्य पदार्थ का भण्डारण एवं विक्रय करने पर विक्रेता वार्ड नंबर 16, अनूपगढ़ स्थित ए टू जेड डिपार्टमेंटल स्टोर पर 25 हजार रूपए जुर्माना लगाया गया। वहीं अवधिपार (एक्सपायरी) खाद्य पदार्थ बेचने के मामले में ए टू जेड डिपार्टमेंटल स्टोर संचालक पर 50 हजार रूपए अतिरिक्ति जुर्माना लगाया गया।

# निगम की जन्म-मृत्यु पंजीयन शाखा में डाटा प्रोसेसिंग की प्रक्रिया जानी

**बीकानेर,** (कासं)। जिला कलेक्टर तथा नगर निगम प्रशासक नम्रता वृष्णि ने शनिवार को नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण किया।

निगम प्रशासक वृष्णि ने निगम की जन्म मृत्यु पंजीयन शाखा को देखा तथा इसमें डाटा प्रोसेसिंग की प्रक्रिया जानी। उन्होंने कहा कि पंजीयन का यह कार्य निर्धारित सीमा में हो। उन्होंने लेखा शाखा, हेल्पिंग सेंटर तथा निम्राण शाखा सहित विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया तथा इनकी कार्यप्रणाली जानी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) तथा इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के कार्यों की प्रगति जानी। कार्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने, सभी पत्रावलियों को व्यवस्थित करने तथा आमजन के कार्य पूर्ण संवेदनशीलता से करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यूडी टैक्स की स्थिति जानी तथा निगम की आय बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। जिला कलेक्टर ने शिव वैली में कचरा निस्तारण केन्द्र तथा बायो मेडिकल वेस्ट यूनिट का अवलोकन किया। इसकी कार्य प्रणाली के बारे में जाना। घर-घर कचरा संग्रहण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहर को साफ-सुथरा रखना निगम की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इसका निर्वहन पूर्ण गंभीरता से किया जाए। बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नॉर्म्स के रूप करने के निर्देश दिए। उन्होंने वल्लभ गार्डन में डॉग स्टेरलाइजेशन सेंटर का अवलोकन किया। एवं इसकी कार्य प्रणाली के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा हेरिटेज संपत्ति को संरक्षित करने की दिशा में प्रभावी कार्य हो। अनुपयोगी सामग्री का नॉर्म्स के अनुसार निस्तारण किया जाए। उन्होंने 100 करोड रूपए की लागत से गंदे पानी की निकासी कार्य को देखा।

बीकानेर कलेक्टर और नगर निगम प्रशासक नम्रता वृष्णि ने निगम कार्यालय का निरीक्षण किया।

- कलेक्टर व निगम प्रशासक नम्रता वृष्णि ने निगम कार्यालय के विभिन्न अनुभागों की कार्यप्रणाली जानी

# 'सड़क दुर्घटना में घायलों का इलाज ट्राइऐज प्रोटोकॉल में हो'

**हनुमानगढ़,** (कासं)। जिले में 1 जनवरी से शुरु हुए सड़क सुरक्षा माह के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने शनिवार को हनुमानगढ़ टाउन स्थित एमजीएम जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर एवं खण्ड रावतसर के ब्रह्मसर पीएचसी में चिकित्साकर्मियों को अभियान की जानकारी दी।

डॉ. नवनीत शर्मा ने चिकित्साकर्मियों को घायलों के इलाज में ट्राइऐज प्रोटोकॉल की जानकारी दी। यह अभियान 31 जनवरी तक जारी रहेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि उन्होंने शनिवार को एमजीएम जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर एवं खण्ड रावतसर की पीएचसी ब्रह्मसर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों का इलाज ट्राइऐज प्रोटोकॉल के तहत किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में सबसे पहले उन मरीजों का उपचार किया जाए, जो अति गंभीर हैं और जिन्हें उपचार की सबसे ज्यादा जरूरत है। ऐसे गंभीर घायल व्यक्तियों का गोल्डन ऑवर में उपचार होने पर उनके जल्द ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। गंभीर घायल व्यक्तियों के उपचार के बाद ही अन्य मरीजों का उपचार किया जाए। सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग से मिली प्रचार-प्रसार सामग्री भी चिकित्सा संस्थानों में लगवाई जाए।

हनुमानगढ़ सी.एम.एच.ओ. डॉ. नवनीत शर्मा ने चिकित्सा कार्मिकों से सड़क हादसों में घायलों की जानकारी ली।

# उर्स में रेलवे स्टेशन के चप्पे-चप्पे पर रेलवे सुरक्षा बल की नजर

## सुरक्षा एजेंसियां जैसे आईबी, सीआईडी, स्पेशल टीमों से लगातार समन्वय

**अजमेर,** (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल अजमेर मंडल द्वारा ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के 813वें उर्स के मद्देनजर रेलवे स्टेशन अजमेर की सुरक्षा व्यवस्था के माकूल इंतजाम किये गये हैं। रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल थाना अजमेर द्वारा 260 अधिकारी, स्टाफ की तैनाती की गई है। पूरे अजमेर स्टेशन पर निगरानी के लिए 123 सीसीटीवी कैमरे स्थापित हैं तथा दौराई एवं मदार स्टेशनों पर भी 15-15 कैमरे स्थापित किये गये हैं, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर सूक्ष्म निगरानी की जा रही है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल अजमेर मंडल द्वारा रेलवे स्टेशन अजमेर की सुरक्षा व्यवस्था के माकूल इंतजाम किये गये हैं।

मुख्य गेटों पर दो बैग्गेज स्केनर मशीन के द्वारा प्रवेश करने वाले सभी यात्रियों के सामान की चेकिंग की जा रही है। एफओबी तथा गेटों पर स्टाफ के द्वारा यंत्र के माध्यम से यात्रियों की चेकिंग की जा रही है। रेलवे स्टेशन अजमेर पर यात्रियों की भीड़ को जागरूक करने के लगातार वाणिज्य विभाग से समन्वय कर पीए सिस्टम के माध्यम से अनाउन्समेंट करवाया जा रहा है तथा लाउड स्पीकर के माध्यम से भी यात्रियों को चलती गाड़ी में नहीं चढ़ने व उतरने तथा अनजान व्यक्तियों से खाने-पीने की चीजें नहीं लेने तथा अपने सामान व बच्चों का ध्यान रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिये हथियारबंद टीम गठित की गई है, रेलवे सुरक्षा बल इंटेलिजेंस शाखा के द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार अजमेर स्टेशन पर समय-समय पर रेलवे सुरक्षा बल व जीआरपी द्वारा संयुक्त रूप से जनजागरुक एवं चैकिंग अभियान चलाकर अवैध यप से प्रवेश करने वालें के विरुद्ध कार्यवाही कर रेल परिसर से बाहर किया जाता है, सुरक्षा के मद्देनजर उच्चाधिकारियों द्वारा स्टेशन पर विजिट सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा केन्द्र व राज्य की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों जैसे आईबी, सीआईडी, स्पेशल टीमों से लगातार समन्वय करते हुए स्टेशन गतिविधियों पर लगातार निगरानी की जा रही है।

# 36 साल पुराने हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

## वर्ष 1988 में दर्ज हत्या के मामले में फरार चल रहा था बुजुर्ग आरोपी

**डीडवाना,** (निसं)। डीडवाना पुलिस ने 36 साल पुराने हत्या के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे एक बुजुर्ग आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

थानाधिकारी राजेंद्र सिंह कमांडो के अनुसार वर्ष 1988 में दर्ज हत्या के एक मामले में आरोपी मुस्ताक खान वांछित था। इस मामले को लेकर मुस्ताक खान पिछले लंबे समय से फरार चल रहा था। हालांकि हत्या के मामले में मुस्ताक खान को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

- आरोपी को न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा मिली थी

जिस पर आरोपी ने जोधपुर हाईकोर्ट में अपील दायर कर रखी थी, पिछले दिनों अपील खारिज होने पर एडीजे कोर्ट नागौर ने आरोपी बुजुर्ग मुस्ताक खान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इसके बाद पुलिस ने टीम बनाकर आरोपी बुजुर्ग की तलाश की और गत दिवस उसे सरदारपुरा गांव से गिरफ्तार कर लिया।

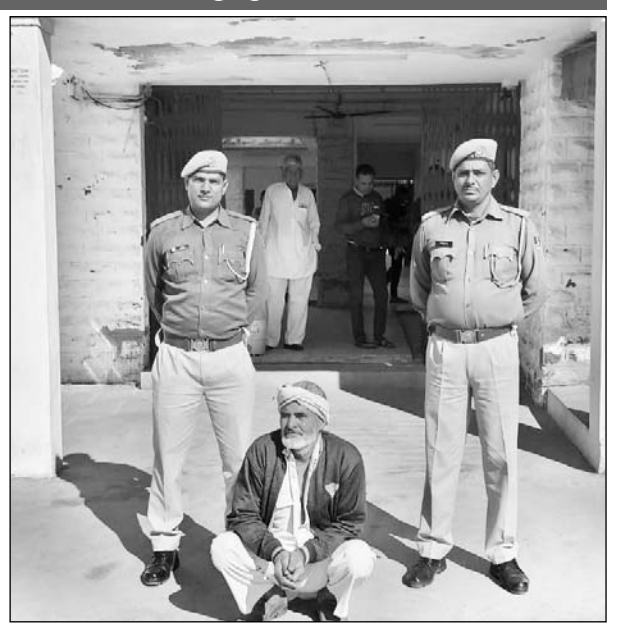

डीडवाना पुलिस ने फरार चल रहे बुजुर्ग आरोपी को गिरफ्तार किया।

# पश्चिम राजस्थान हस्तशिल्प मेले से उद्यिमयों को लाभ होगा : शेखावत

**जोधपुर,** (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस बार एक नए कलेवर में हस्तशिल्प उत्सव होने वाला है। इस बार के आयोजन में भी हर वर्ष की भांति देश के लगभग 20 प्रांतों के अलग-अलग हस्तशिल्प उत्पादक उपस्थित होंगे। यह केवल एक मेला नहीं है, अपितु बिजनेस टू बिजनेस और बिजनेस टू कंज्यूमर, उन दोनों के बीच में एक रिश्ते कायम करने का प्लेटफार्म है। पत्रकारों से बातचीत में शेखावत ने कहा कि जोधपुर हस्तशिल्प उत्सव विगत 34 साल से अनवरत शहर में उद्योग, हस्तशिल्प और व्यापार की एक प्रमुख धुरी के रूप में बनाकर उभरा है। भैरोसिंह शेखावत जब मुख्यमंत्री थे, उस काल में जोधपुर के उद्यिमयों ने यह अनूठा प्रयास प्रारंभ किया था। 34 साल की यात्रा पूरी करते हुए यह नेशनल फेस्टिवल के रूप में उभरा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उद्योग और हस्तशिल्प से जुड़े हुए विभिन्न विषयों टैक्स, नई संभावनाएं, नए वित्तीय मॉडल, उद्यिमयों की समस्याओं, सरकार की योजनाओं और उद्यिमयों की आवश्यकता को लेकर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाता है। इन कॉन्फ्रेंस से जोधपुर और मारवाड़ के उद्यिमयों को बहुत सारा लाभ होता है। हस्तशिल्प उत्सव एक नए कलेवर में जोधपुर में होने वाला है।

प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह देश ही नहीं, दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन होगा। 45 दिन के महाकुंभ के समय 45 करोड़ लोग इसके साक्षी बनेंगे। भारत के विराट रूप का दर्शन यहां होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस इस बार दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुंभ की संकल्पना की है। महाकुंभ में आने वाले लोगों को एक दिव्य अनुभव प्राप्त हो, इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कार्य हो रहे हैं। इस बार का महाकुंभ अकल्पनीय होने वाला है।

# खड़े कंटेनर के केबिन में आग लगी, चालक बाल-बाल बचा

**मानपुरा माचेड़ी,** (निसं)। दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे की सर्विस लेन पर बिलौची पेट्रोल पंप के पास शनिवार अलसुबह एक खड़े कन्टेनर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग केबिन के निचले हिस्से में लगी। आग की लपटें देख कर लोगों ने केबिन में सो रहे चालक को जगाया और उसकी जान बचाई। थोड़ी देर में ही कन्टेनर का केबिन धूं धूं कर जल उठा। बाद में पेट्रोल पंप कर्मियों व लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई, तब तक केबिन पूरी तरह जल चुका था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पलवल, हरियाणा निवासी कंटेनर चालक शाहरुख खाली कंटेनर लेकर जयपुर से दिल्ली की तरफ जा रहा था कि देर रात होने व नींद आने से बिलोची पेट्रोल पंप के पास सर्विस लेन के किनारे कंटेनर खड़ाकर केबिन में सो गया। सुबह करीबन छह बजे शार्ट सर्किट होने से केबिन के निचले हिस्से में आग लग गई। आग देखकर पास के दुकानदार व अन्य लोग दौड़ कर गाड़ी के पास गए और अंदर सो रहे चालक को जगाया। पास के पेट्रोल पंप कर्मियों ने आग में पानी डालकर कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया तब तक कंटेनर का केबिन पूरी तरह जल चुका था। केबिन में रखा चालक का फ़ोन व समान भी जल गया।

दिल्ली-अजमेर हाइवे पर बिलौची के पास कंटेनर में आग लग गई।

- आग की लपटें देख लोगों ने केबिन में सो रहे चालक को जगाया

# पूर्व सी.एम. वसुंधरा राजे की ओर से ख्वाजा को चादर पेश

## चादर पेश करने के बाद पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का संदेश पढ़ा गया

**अजमेर,** (कासं)। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुदीन हसन चिश्ती के 813वें उर्स के मौके पर शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की ओर से भेजी गई ख्वाजा गरीब नवाज की मजार पर मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश कर देश-प्रदेश में अमन चैन और शांति भाईचारा बना रहे, इसके लिए दुआ की गई। चादर पेश करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का संदेश पढ़ा गया।

- वसुंधरा राजे की चादर भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य मजीद मलिक कमांडो लेकर अजमेर पहुंचे

ख्वाजा मोइनुदीन हसन चिश्ती के उर्स के मौके पर वसुंधरा राजे की ओर से भेजी गई चादर पेश की।

खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने बताया कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे की ओर से ख्वाजा साहब के 813वें उर्स के मौके पर चादर भेजी गई है। वसुंधरा राजे की चादर भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य मजीद मलिक कमांडो अजमेर लेकर पहुंचे। चादर पेश कर वसुंधरा राजे की लंबी उम्र और देश में अमन चैन शांति भाईचारा बना रहे. इसे लेकर दुआ मांगी।

## होटल मैनेजर पर गबन का आरोप

**उदयपुर,** (कासं)। सेक्टर 11 स्थित होटल पारस में कार्यरत मैनेजर ने इसी होटल में लाखों का गबन कर लिया। रिपोर्ट पर सूरजपोल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गजेन्द्र सुयल पुत्र परसुराम सुयल निवासी ए ब्लॉक शिकारबाड़ी ने रिपोर्ट दी कि हमारी होटल पारस महल सेक्टर 11 में स्थित है। जहां पर नवनीत सुहालका पुत्र भंवर लाल सुहालका निवासी दुर्गा सदन पैलेस मार्ग पिछोली को जुलाई 2023 में मैनेजर के पद पर नियुक्त किया। कुछ समय बाद ही नवनीत ने होटल से चोरी करना व गबन करना प्रारम्भ कर दिया। हमारे ग्राहकों से राशि प्राप्त कर उसे होटल में नहीं जमा कराकर गबन करते हुए राशि को खुर्दबुर्द कर दी। इसकी सर्वप्रथम जानकारी हमारे ग्राहक द्वारा एक लाख की राशि 14 अप्रैल 2024 को अदा की गई और उसकी शादी निरस्त होने पर वापस राशि लौटाई जानी थी, जो नवनीत ने प्राप्त कर होटल में नहीं जमा कराई। इसके बाद नवनीत ने 50 हजार रूपए लौटा दिए। शेष 50 हजार रूपए के लिए ग्राहक के द्वारा तकाजा किये जाने पर जाहिर आया कि नवनीत अमानत में खयानत कर रहा है। आरोपी ने 3 लाख 88 हजार रूपए गबन किया। 3 लाख 88 हजार रूपए ग्राहाको से बकाया चल रही है। जब हमने तकादा किया तो ज्ञात हुआ कि उनके द्वारा नवनीत को भुगतान किया जा चुका है। इस प्रकार नवनीत ने धोखाधड़ी की।

# पोंड में दो बहनें गिरी, एक की मौत

## दूसरी बहन को सुरक्षित निकाला

**टोंक,** (निसं)। थाना लाम्बाहरिसिंह के गांव तात्या में खेत पर चारा ले जाते समय पर फार्म स्थित पॉण्ड में दो बहनें गिर जाने से एक की मौत हो गई तथा दूसरी बहन को परिजनों व ग्रामीणों की सहायता से सुरक्षित निकाला।

लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि तात्या निवासी रामचरण चौधरी की तीन पुत्रियां रविना, अमीषा व अल्का जो बाइक पर सवार होकर अपने खेत पर मवेशियों के लिए चारा लेने अपने खेत पर गई, जहां उनमें से बड़ी बहन खेत से पहले ही रूक गई तथा रवीना व अमीषा खेत पर चारा लेने के लिए जा रही थी कि अचानक खेत पर बने फॉर्म पॉण्ड के पास इनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो जाने से दोनों बहनें फॉर्म पॉण्ड में जा गिरी। सूचना पर आये परिजनों व ग्रामीणों की सहायता से छोटी अमीषा को तैरते देखकर उसको निकाला गया, जिसको उपचार पश्चात सुरक्षित बचा लिया गया।

वहीं दूसरी बहन रवीना जिसको तैरना नहीं आता था, जिसके कारण उसकी डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि मृतका रवीना शादीशुदा थी, जिसका ससुराल ग्राम लावा स्थित चौरूपुरा में है।

# नीमकाथाना जिले को पुनः बहाल की मांग, धरना जारी

- विधायक सुरेश मोदी ने भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर संबोधित किया

**पाटन,** (निसं)। नीमकाथाना जिले को पुन: बहाल की मांग को लेकर संघर्ष समिति के बैनर तले पांचवे दिन भी धरना जारी रहा, जिसमें विधायक सुरेश मोदी ने भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर संबोधित किया।

जानकारी के अनुसार आन्दोलन में अनिल वर्मा, नंदलाल सैनी, लालचन्द सैनी, मालाराम शास्त्री, सांवरमल खटाणा ने नीमकाथाना जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठ कर धरने को जारी रखा। बताया कि राज्य सरकार ने आनन-फानन में नीमकाथाना जिले को हटाकर आमजन की भावनाओं से खिलवाड़ किया है जिसका विरोध प्रदर्शन अलग-अलग संगठनों द्वारा किया जा रहा है। क्रमिक भूख हड़ताल एवं आंदोलन को जारी रखने के लिये छठें दिन जतन किशोर सैनी, नरेन्द्र कुमार सैनी एडवोकेट, न्यूटन सैनी एडवोकेट, संदीप यादव एडवोकेट, श्रीराम गुर्जर और बंटी वर्मा भूख हड़ताल पर बैठेंगे। आंदोलन में बैठे लोगों को विधायक मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में हिटलरशाही नहीं होना चाहिए, भाजपा सरकार ने नीमकाथाना जिले को हटाकर नीमकाथाना की जनता के साथ विश्वासघात किया है, इसका समय आने पर जबाब भी दिया जाएगा और नीमकाथाना जिला लेकर भी रहेंगे।

इस मौके पर भूपेन्द्र सिंह मावण्डा, शशिपाल भाकर, रामस्वरूप् गोरधनपुरा, रामवतार मंगावा, संतोष पारीक, बाबूलाल चौहान सरपंच, राजपाल डोई, रामसिंह गुरूजी, सुरेश खैरवा सरपंच, गोपाल सैनी, गंगाराम सैनी मावंडा, जयसिंह बोराण, महावीर सैनी, रामलाल मीणा, निरंजन लाल सैनी, बलवीर खैरवा, विक्रम यादव, अवतार गुर्जर, रवि खटाणा, कॉमरेड नागरमल सैनी, घीसाराम सैनी, प्रहलाद महराणियां सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

# पानी की निकासी नहीं होने से मुख्य रास्ता ब्लॉक, लोगों ने प्रदर्शन कर रोष जताया

## नालियों के पानी की निकासी नहीं होने के कारण मुख्य रास्ता तालाब बना

**सादुलपुर,** (निसं)। राजगढ़ कस्बे के वार्ड 26 कुबा मस्जिद के पास मुख्य रास्ता ब्लॉक होने के कारण लोगों का घरों से निकलना दुभर हो रहा है तथा बीमारियां फैल रही है, मोहल्लेवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

- बार-बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी कार्यवाही नहीं होने का आरोप

उसके बावजूद प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने पर लोगों ने रोष जताया तथा पानी निकासी की मांग की है।

रफीक सोलंकी ने बताया कि बार-बार प्रशासन को ज्ञापन दिया है तथा अब भी हमनें एसडीएम को ज्ञापन दिया है तथा ज्ञापन में बताया कि राजगढ़ के वार्ड 26 कुबा मस्जिद के पास मुख्य रास्ता ब्लॉक पड़ा है जिससे नालियों को गन्दा पानी मोहल्ले में भरा हुआ है, जिससे मोहल्ले में पानी निकासी नहीं हो पा रही है। रफीक सोलंकी ने बताया कि घरों के सामने रास्ते में पानी भरने के कारण बंद हुए रास्ते के कारण बीमारियां सबसे ज्यादा इस मौहल्ले में फल रही हैं, जबकि बार-बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन ना तो नगरपालिका इस ओर ध्यान दे रही है और ना ही प्रशासन ध्यान दे रहा है, जिसके कारण मौहल्लेवासियों को आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। मौहल्ले के बच्चे व महिलाओं व आम रास्ते से गुजरने वाले राहगिरों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। गन्दा पानी एकत्रित होने से मोहल्ले में गंदगी फैल रही है, बच्चे बीमार हो रहे हैं, बच्चों को स्कूल जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं मौहल्लेवासियों ने मौहल्ले की इस जटिल जन समस्या का समाधान रास्ता खुलवाने की मांग की है।

इसी दौरान रफीक सोलंकी, मुबारिक, अब्दुल्ला, मोहम्मद सादिक, असलम, मोहम्मद सोहिल, इरफान, मोहम्मद रफीक, जरीना, रामेश्वर, मोहम्मद असगर, जावेद, गोरधन, हनीफ हाजी, रूबीना, मोहम्मद सरीफ, जमीन सोलंकी आदि का हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन देने वाले सभी लोगों ने रोष जताया।

रास्ते में घरों के सामने भरे गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर मौहल्लेवासियों ने रोष जताया।


**भारत सरकार, रेल मंत्रालय**
**रेलवे भर्ती बोर्ड**

केन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या : 07/2024

सांकेतिक सूचना

**मिनिस्टीरियल और आइसोलेटेड कोटियों के विभिन्न पदों की भर्ती**

नीचे दी गई तालिका में मिनिस्टीरियल और आइसोलेटेड कोटियों के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 06.02.2025 है। **सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन जमा किया जाना चाहिए।**

आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि: 07.01.2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 06.02.2025

| पदों के नाम | 7वें वे. आयोग में वेतन स्तर | प्रारंभिक वेतन (₹) | चिकित्सा मानक | आयु यथावत (01.01.2025) | कुल रिक्तियां (सभी रे. भ. बो.) |
|---|---|---|---|---|---|
| विभिन्न विषयों के स्नातकोत्तर शिक्षक | 8 | 47600 | C2 | 18-48 | 187 |
| वैज्ञानिक पर्यवेक्षक (एर्गोनॉमिक्स और प्रशिक्षण) | 7 | 44900 | B1 | 18-38 | 3 |
| विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक | 7 | 44900 | C2 | 18-48 | 338 |
| मुख्य विधि सहायक | 7 | 44900 | C1 | 18-43 | 54 |
| लोक अभियोजक | 7 | 44900 | C1 | 18-35 | 20 |
| शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (अंग्रेजी माध्यम) | 7 | 44900 | C2 | 18-48 | 18 |
| वैज्ञानिक सहायक/प्रशिक्षण | 6 | 35400 | B1 | 18-38 | 2 |
| कनिष्ठ अनुवादक/हिन्दी | 6 | 35400 | C2 | 18-36 | 130 |
| वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक | 6 | 35400 | C1 | 18-36 | 3 |
| कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक | 6 | 35400 | C1 | 18-36 | 59 |
| लाइब्रेरियन | 6 | 35400 | C2 | 18-33 | 10 |
| संगीत अध्यापिका | 6 | 35400 | C2 | 18-48 | 3 |
| विभिन्न विषयों के प्राथमिक रेलवे शिक्षक | 6 | 35400 | C2 | 18-48 | 188 |
| सहायक अध्यापिका (जूनियर स्कूल) | 6 | 35400 | C2 | 18-48 | 2 |
| प्रयोगशाला सहायक / स्कूल | 4 | 25500 | C2 | 18-48 | 7 |
| लैब सहायक ग्रेड III (रसायनज्ञ और धातुकर्मी) | 2 | 19900 | B1 | 18-33 | 12 |
| | | | | कुल | 1036 |

उपरोक्त तालिका में दर्शाई गई आयु सीमा वर्षों में है और आयु की ऊपरी सीमा में कोविड-19 महामारी के कारण एक बार के लिए निर्धारित आयु सीमा से 3 वर्ष की छूट शामिल है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध इस भर्ती में भाग लेने वाले सभी रेलवे भर्ती बोर्डों (आरआरबी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध विस्तृत केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 07/2024 देखें।

**सीईएन संख्या 07/2024 के संदर्भ में भर्ती में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइटें**

| | | |
|---|---|---|
| अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in | चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in | मालदा www.rrbmalda.gov.in |
| अजमेर www.rrbajmer.gov.in | चेन्नई www.rrbchennai.gov.in | मुंबई www.rrbmumbai.gov.in |
| बेंगलुरु www.rrbbnc.gov.in | गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in | पटना www.rrbpatna.gov.in |
| भोपाल www.rrbbhopal.gov.in | गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in | प्रयागराज www.rrbald.gov.in |
| भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in | जम्मू-श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in | रांची www.rrbranchi.gov.in |
| बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in | कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in | सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in |

यह अधिसूचना पूर्णतः सांकेतिक प्रकार की है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन संख्या: 07/2024 की पोस्ट पैरामीटर तालिका और रिक्ति तालिका को देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर केवल रेलवे भर्ती बोर्डों की उपरोक्त वेबसाइटों पर ही जारी की जाएगी।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN 07/2024/Ministerial & Isolated Categories
दिनांक: 05.01.2025
अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

बिचौलियों, दलालों और जॉब रैकेट चलाने वालों से सावधान रहें।

# कांग्रेस ने अव्यवहारिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था : मदन राठौड़

## कांग्रेस ने अंग्रेजी स्कूलों के नाम पर लूट-पाट के दरवाजे खोले : मदन दिलावर

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर बनाई गई समीक्षा कमेटी पर गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा क्षेत्र में अप्रासांगिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था, लेकिन भाजपा सरकार कांग्रेस की ऐसी व्यवस्था की जांच करवाकर हमारे बच्चों का बेस तैयार करने का काम करेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में केवल वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दी। लेकिन इन स्कूलों में ना तो इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था की और ना ही अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति की। कांग्रेस ने दूर दराज के गांवों में चल रही हिंदी मीडियम स्कूलों को बंद कर अंग्रेजी में कर दिया जो कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था। कांग्रेस ने हिंदी माध्यम के बच्चों तक के भविष्य की चिंता नहीं की।

मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को हमारे बच्चों की चिंता होती तो स्कूलों में बच्चों का आधार मजबूत करने का काम करती और पहली कक्षा से अंग्रेजी का बेस मजबूत करती। अंग्रेजी अध्ययन के लिए ग्रामर और शब्दावली की आवश्यकता होती है लेकिन कांग्रेस ने बच्चों का ग्राउंड तैयार नहीं किया, बिना बेस के बच्चे सीधे हिंदी माध्यम विद्यालयों को

> ■ 'कांग्रेस ने ना तो इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया, ना ही शिक्षकों की नियुक्ति की, वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दिए'

अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया। ऐसे में हिंदी माध्यम में पढ़ने वाला बच्चा जब अंग्रेजी पुस्तके अध्ययन नहीं कर पाएगा तो निराश ही होगा। हिंदी मीडियम स्कूल को बंद करना कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने बिना चिंतन-मनन किए आनन-फानन में ऐसा फैसला कर दिया जो पूर्णतया अप्रासांगिक था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऐसे परिस्थिति को देखते हुए समीक्षा कमेटी का गठन किया है। कमेटी में यह तय किया जाएगा कि बच्चों का ग्राउंड कैसे मजबूत किया जाए और इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य व्यवस्थाएं कैसे मजबूत की जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने महज एक साल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। भाजपा सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों में छात्राओं के प्रवेश के लिए 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित की, 37 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, 12 महाविद्यालयों को यूजी से पीजी में क्रमोन्नयन किया। सरकार ने 89 हजार विद्यार्थियों को टेबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन वितरित किए, 8.51 लाख साइकिल वितरित की, एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 514 करोड़ रूपए व्यय किए। इससे 2 लाख 50 हजार 415 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

वहीं दूसरी ओर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा पहले ये बताएं कि अंग्रेजी स्कूल कांग्रेस ने खोले थे क्या। कांग्रेस से बड़ा झूठ कोई नहीं है। कांग्रेस सरकार ने हिन्दी माध्यम स्कूलों के ऊपर केवल अंग्रेजी माध्यम के बोर्ड लटकाएं थे। उसमें ना कोई अंग्रेजी माध्यम के टीचर थे, ना कोई वहां भवन था और ना कोई परिसर थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केवल लूट-पाट का दरवाजा खोला था। कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी स्कूलों में अध्यापक दिए ही नहीं। हिन्दी वाले अंग्रेजी नहीं पढ़ा पाएं एवं हिन्दी वाले स्कूल इसलिए पिछड़ गए कि उनके पास अध्यापक नहीं थे, तो इससे अंग्रेजी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ और हिन्दी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ। इस अन्याय के लिए भगवान कांग्रेस को किसी भी तरह से माफ नहीं करेंगा। उन्होंने कहा कि डोटासरा आजकल अपने परिवार वाले की वजह से बहुत परेशान हो रहे हैं, क्योंकि पहले रोज जो चोरी का पैसा लाते थे वो अब नहीं मिल पा रहा है और इसी कारण से उछल-कूद कर रहे हैं। डोटासरा की स्थिति बिना पानी के तड़पती हुई मछली के जैसी है।

### 'अंग्रेजी स्कूलों को बंद करने का षड्यंत्र बर्दाश्त नहीं करेंगे'

**जयपुर।** कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश में खोले गये 3737 महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल की समीक्षा के लिये मंत्रिमण्डलीय समिति क्यों गठित की गई, सालभर तक सरकार क्यों सोती रही, इसका जवाब प्रदेश की जनता मांग रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में 3737 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल चल रहे हैं और इस वर्ष 677000 से अधिक छात्र-छात्रायें प्रवेश लेकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों के मुकाबले अधिक है। इन सभी छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा निःशुल्क मिल रही है और पिछले सत्र में इन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 709270 से थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन में इन स्कूलों के लिये 45300 पद स्वीकृत किये गये थे, अलग से अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शिक्षकों का कैडर बनाया गया था तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा दस हजार नई भर्तियां भी की गई थी एवं इन्टव्यू व परीक्षा लेकर इन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षक लगाने का कार्य किया था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा शासन में पिछले एक वर्ष से इन स्कूलों में 17192 पद रिक्त है, इनमें शिक्षकों के 13552 तथा क्लेरिकल स्टॉफ के 3440 पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि इन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के लिये मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री ने एक भी भर्ती नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने परीक्षा करवाकर भर्ती करने का केवल स्वांग किया।

उन्होंने कहा कि समीक्षा के लिये गठित कमेटी का संयोजक उप मुख्यमंत्री को बनाया गया है, पूर्व में भी यह जिलों की समीक्षा हेतु गठित कमेटी में थे, किन्तु समीक्षा कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही इन्हें उस कमेटी से हटा दिया गया था और इन्हीं का जिला निरस्त हो गया। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री को वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा के लिये गठित कमेटी से बीच में ही हटना पड़ेगा क्योंकि इनके विधानसभा क्षेत्र में 59 अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

# चिकित्सा मंत्री ने की जनसुनवाई

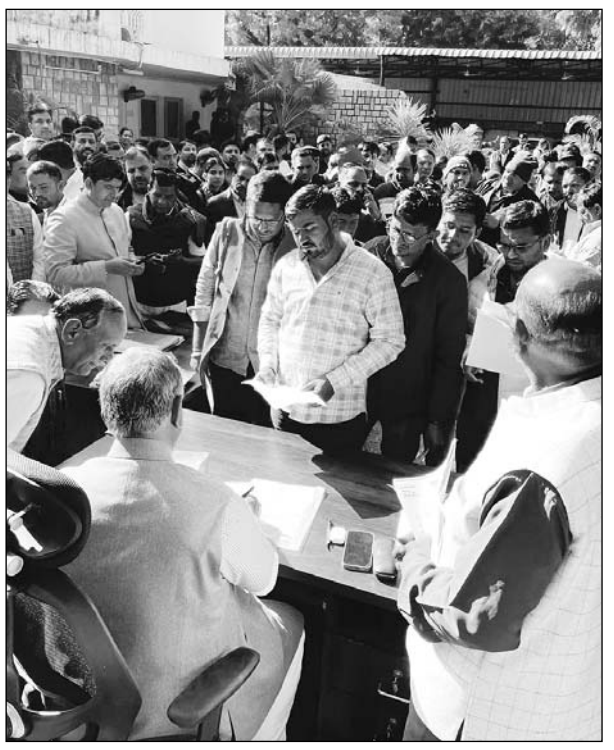

**चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं।**

**जयपुर ।** चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं और इनका तत्काल प्रभाव से यथोचित निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खींवसर, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से आत्मीयता के साथ मिले और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के संबंध आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनकल्याणकारी सोच के साथ एक से बढ़कर एक निर्णय ले रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि आमजन का जीवन स्तर बेहतर हो और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण कर राहत पहुंचाई जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। विगत अल्प समय में ही गांव-ढाणी तक चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। करीब 21 हजार पदों पर विभाग में नियुक्तियां दी गई हैं और शेष रिक्त पदों के लिए भी संकल्पबद्ध होकर कार्यवाही की जा रही है। राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर विभाग की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों तक भी आमजन सुगमता के साथ जांच और उपचार प्राप्त कर सकें। लोगों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच इन शिविरों के माध्यम से की जा रही हैं और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित किया जा रहा है। खींवसर ने जनसुनवाई के दौरान समस्याएं सुनने के साथ ही आमजन से अपील की कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लें और आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करने के पवित्र उद्देश्य में सहभागी बनें।

# आमजन के सुझावों से तैयार होगा विकासोन्मुखी और जनहितैषी बजट

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को केन्द्र बिन्दु मानकर आगामी बजट वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार कर रही है। इसी दिशा में आम नागरिक, युवा, महिला, किसान, श्रमिक, उद्यमी, गैर सरकारी संगठनों सहित विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगामी बजट पर सुझाव भी लिए जा रहे हैं।

> ■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी से हितधारकों के साथ करेंगे बजट पूर्व चर्चा

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी से 22 जनवरी तक विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित होने वाली बजट पूर्व बैठकों में चर्चा करेंगे। 16 जनवरी को कर्मचारी संघों, 17 जनवरी को चिकित्सा क्षेत्र तथा जनजातीय क्षेत्र, 20 जनवरी को उद्योग एवं सेवा तथा कर सलाहकारों, व्यापार व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बजट पर सुझाव हेतु चर्चा की जाएगी। इसी प्रकार 21 जनवरी को युवा व खेल क्षेत्र तथा महिला प्रतिनिधियों व प्रतिभाशाली छात्र, 22 जनवरी को किसान, पशुपालक व डेयरी संगठनों तथा एनजीओ व उपभोक्ता फोरम आदि से भी सुझाव लिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि आगामी बजट हेतु वित्त विभाग की वेबसाइट पर 10 जनवरी तक सुझाव ऑनलाइन दर्ज किए जा रहे हैं। अब तक हितधारकों एवं विभिन्न वर्गों द्वारा 75 हजार सुझाव प्राप्त हो चुके हैं।

# जोधपुर देहात में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति

**जोधपुर/जयपुर।** भाजपा ने जोधपुर देहात में अपने संगठन को और मजबूत करने के लिए 13 मंडलों के अध्यक्षों की घोषणा की है। यह घोषणा जोधपुर जिला प्रभारी रामचरण बोहरा द्वारा की गई। पार्टी ने इन नियुक्तियों के जरिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और संगठन को विस्तार देने की रणनीति अपनाई है। भाजपा देहात दक्षिण जिला मंत्री,जिला मीडिया सयोजक रमेश बिश्नोई ने बताया कि जोधपुर जिला प्रभारी रामचरण बोहरा ने कहा कि सभी नियुक्तियां संगठनात्मक मजबूती और अनुभव को ध्यान में रखकर की गई हैं। उन्होंने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई देते हुए आगामी चुनावों में पार्टी की सफलता के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये अध्यक्ष मंडल प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ को मजबूत करेंगे और जनता से जुड़ाव बढ़ाएंगे। नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों के नाम सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

# कोई भी नागरिक न्याय से वंचित नहीं हो : जस्टिस गवई

> ■ जस्टिस गवई ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के नव निर्मित भवन के शुभारंभ के बाद जेल सुधार को लेकर आयोजित सेमिनार को संबोधित किया

**जयपुर।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि देश का कोई भी नागरिक न्याय से वंचित नहीं हो, यह हमारा पहला लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में विधिक सेवा प्राधिकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज प्रदेश की विधिक सेवा में एक नया आयाम जुडा है और इसका फायदा आम जनता को मिलेगा। जस्टिस गवई शनिवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के नव निर्मित भवन के शुभारंभ के बाद जेल सुधार को लेकर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का नया भवन हेरिटेज के साथ-साथ हाईटेक भी है। जस्टिस गवई ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने महिला शिक्षा देने के लिए स्कूल खोली, आज उनके सम्मान में देशभर के बच्चों के लिए शॉर्ट फिल्म की प्रतियोगिता तैयार की गई।

सेमिनार को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने कहा कि जेल में रखकर किसी का सुधार नहीं किया जा सकता। पैरोल की सुविधा से कैदी अपने परिवार से मिल सकता है। वहीं आपात पैरोल में भी कई बार देरी हो जाती है। प्रदेश में ई-प्रिजन सॉफ्टवेयर में काम किया जा रहा है। वहीं जेल में जाति आधारित कार्य वितरण को भी समाप्त किया गया है। जस्टिस मेहता ने जेल नियमों में बदलाव की आवश्यकता जताते हुए कहा कि खुली जेलों की संख्या बढाने से कई समस्याएं खत्म हो जाएगी और इसमें नियमित जेलों के मुकाबले खर्चा भी काफी कम होता है। जस्टिस मेहता ने कैदियों को श्रम के बदले प्रतिदिन 112 रुपए देने के सिस्टम को सुधारने की दिशा में भी राज्य सरकार को ध्यान देने को कहा है। कार्यक्रम में 6 से 18 साल के विशेष योग्जन बच्चों को दो साल के लिए 2500 रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप देने की शुरूआत की गई। वहीं रालसा के नए लोगो का भी अनावरण किया गया। इसके अलावा अधिकार मित्रों को बैजेज का वितरण किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जज जसराज चोपडा की ओर से विधिक कार्यो के लिए दी गई बडी धनराशि देने पर उनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सीजे एमएम श्रीवास्तव सहित हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद रहे।

# भांकरोटा सड़क दुर्घटना प्रकरण में मृतक आश्रितों और घायलों के बैंक खातों में सहायता राशि भेजी

**जयपुर।** दिल्ली-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के समीप 20 दिसंबर को घटित दुर्घटना को लेकर जिला प्रशासन द्वारा संपूर्ण संवेदनशीलता बरतते हुए दुर्घटना के 20 मृतकों के आश्रितों एवं 24 घायल व्यक्तियों के बैंक खातों में सहायता राशि हस्तांतरित कर दी गई है।

जिला प्रशासन द्वारा 20 मृतक आश्रितों के बैंक खाते में मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक करोड़ रुपये (प्रति मृतक आश्रित 5-5 लाख) राशि हस्तांतरित कर दी गई है एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा देय 1 करोड़ 20 लाख रुपये (प्रति मृतक आश्रित 6-6 लाख) की मुआवजा राशि हस्तांतरित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के बीमित 11 मृतकों के आश्रितों के बैंक के खाते में योजना के तहत 55 लाख रुपये (प्रति मृतक आश्रित 5-5 लाख) की अतिरिक्त राशि हस्तांतरित की गई है।

वहीं, दुर्घटना में घायल 24 व्यक्तियों के बैंक खाते में मुख्यमंत्री सहायता कोष से 24 लाख रुपये (प्रति घायल1-1 लाख) एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा देय 48 लाख रुपये (प्रति घायल 2-2 लाख) की मुआवजा राशि हस्तांतरित कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय राहत कोष से प्रति मृतक राशि 2 लाख एवं प्रति घायल राशि 50 हजार की आर्थिक सहायता हेतु जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तर पर अपेक्षित आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है।

# नए नियमों से खनिज सेक्टर को मिलेगा बूस्टअप, प्रक्रिया सरल होगी

> ■ राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियम, 2017 में संशोधन अधिसूचना जारी

**जयपुर।** राज्य सरकार ने राजस्थान खनिज नीति 2024 और राजस्थान एमसेण्ड नीति 2024 के प्रावधानों के अनुसार राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 2017 में आवश्यक प्रक्रियात्मक संशोधन जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने नई सरकार के गठन के साथ ही प्रदेश में नई खनिज नीति लागू करने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रम में 4 दिसबंर में नई खनिज और एम-सेण्ड नीति जारी करने के साथ ही अब राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियमों में भी नई नीतियों के अनुरुप आवश्यक प्रावधान किये गए है। राज्य की नई खनिज नीति व अब नियमों में प्रावधानों से खनिजों के खोज कार्य में तेजी लाने, खनिज रियायतों का समय पर आवंटन, खनन क्षेत्रों के विकास, खनिज बजरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने, खनन नियमों व परमिट व्यवस्था सहित प्रक्रिया को आसान व पारदर्शी बनाने, अवैध खनन, निगर्मन व भण्डारण के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति अपनाने, खनन क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग सहित प्रदेश में खनिज क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ाने की राह प्रशस्त हो गई है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियम 2017 में आवश्यक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नए प्रावधानों के अनुसार समस्त रॉयल्टी पेड खनिजों के परिवहन में लागू ई-टी.पी. की व्यवस्था को ई-वे बिल के परिप्रेक्ष्य में खनिज बजरी, मेसेनरी स्टोन की गिट्टी/ग्रिट/क्रशर डस्ट/एम-सेण्ड तक सीमित किया गया है। स्ट्रीप ऑफ लैण्ड के वर्तमान प्रावधान से सम्भावित राजस्व हानि देखते हुए इसे समाप्त कर गैप क्षेत्र के आवंटन में रिजर्व प्राईस डेड रेन्ट/लाईसेंस फीस को 10 गुणा से बढाकर 25 गुणा किया गया है। नगरीय निकाय क्षेत्रों में अवैध खनन को रोकने हेतु खनन पट्टा आवंटित करने की गाईडलाईन जारी की जाएगी। नए प्रावधानों के अनुसार जनजाति क्षेत्र में अप्रधान खनिज की रियायतों की नीलामी में स्थानीय निवासियों की भागीदारी के लिए बिड सिक्योरिटी 10 लाख से घटाकर 5 लाख तथा खनिज रियायतों के प्लॉट्स की नीलामी में फर्जी बिड रोकने हेतु 30 करोड से अधिक की बोली पर बिड सिक्योरिटी की राशि, प्रस्तुत बिड राशि की 25 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

# पूर्णता प्रमाण पत्र नहीं होने पर रेरा को शिकायत सुनने का अधिकार

**जयपुर।** राजस्थान रेरा प्राधिकरण ने एक मामले में कहा है कि प्रोजेक्ट में पूर्णता प्रमाण पत्र ना होने पर रेरा को आवंटियों की शिकायत सुनने और उन्हें राहत दिए जाने का अधिकार है। प्रोजेक्ट के कुछ प्लाट्स पर जेडीए की ओर से पट्टे दिए जाने मात्र से निर्माणशुदा प्रोजेक्ट रेरा रजिस्ट्रेशन की पालना करने से नहीं बच सकते। प्राधिकरण सदस्य सुधीर कुमार शर्मा ने यह आदेश आवंटी दामोदर लाल सैनी व अन्य की शिकायतों पर निर्णय देते हुए दिए।

आवंटी के अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि आंवटी ने साल 2014 में यूनिक सिटी में एक विला बुक कराया था। बिल्डर ने उसे आश्वस्त किया था कि संपूर्ण योजना को पूरा कर आवंटी को साल 2020 तक विला का कब्जा दे दिया जाएगा। इसके बावजूद भी बिल्डर ने योजना को विकसित नहीं किया और विला का कब्जा भी नहीं सौंपा। इस पर आवंटी ने साल 2022 में रेरा में अपनी शिकायत दी। जिसके जवाब में बिल्डर ने कहा कि प्रोजेक्ट रेरा के क्षेत्राधिकार में नहीं है। इसलिए शिकायत को खारिज किया जाए। बिल्डर ने कहा कि रेरा नियम के नियम 4 के अनुसार यदि संबंधित निकाय की ओर से टाउनशिप योजना के प्लाट्स के आवंटन पत्र या पट्टे जारी करना शुरू किया गया तो ऐसा योजना रेरा के क्षेत्राधिकार में नहीं आती। बिल्डर की ओर से यह भी बताया गया कि यूनिक सिटी योजना 2 फेज में निर्मित की जानी थी। फेज 1 रेरा के क्षेत्राधिकार में नहीं आता, इसलिए आवंटी रेरा से अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद रेरा प्राधिकरण ने फैसला देते हुए माना की यदि किसी योजना के संदर्भ में सक्षम संस्था द्वारा पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है तो ऐसी योजना रेरा के क्षेत्राधिकार में आती है। बिल्डर ने आवंटी को यह नहीं बताया था कि टाउनशिप 2 फेज में बनाई जा रही है। आवंटी को संपूर्ण योजना एक ही होना बताकर विला बेचा गया था। इसके अलावा नियम 4 में दी गई छूट भी प्लाट के संबंध में है, ना की विला के संबंध में। इसके साथ ही रेरा ने आवंटी की ओर से अदा की गई संपूर्ण राशि ब्याज सहित लौटाने के आदेश देते हुए यूनिक सिटी फेज 1 को रेरा के समक्ष पंजीकृत कराने का निर्देश दिया है।

# योग और व्यायाम अपनाने का आव्हान किया राज्यपाल ने

**राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार और विद्यालयी छात्र-छात्राओं को महापुरुषों के जीवन से सीख लेने का आव्हान किया।**

**जयपुर।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार और विद्यालयी छात्र छात्राओं को महापुरुषों के जीवन से सिख लेने का आव्हान किया।

बागडे ने शनिवार को स्थानीय गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी की। उन्होंने वहां पर आधारभूत सुविधाओं के विकास और स्थानीय जनों को शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल और अन्य सुविधाओं से लाभांवित किए जाने का आव्हान किया। निधोना गांव में राज्यपाल ने प्राथमिक विद्यालय का अवलोकन कर शिक्षा संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। वहां उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ आत्मीय संवाद भी किया। इसी तरह बिधूना गांव में चिकित्सा सुविधाओं के लिए उन्होंने एंबुलेंस का लोकार्पण किया। ग्राम पंचायत को एंबुलेंस की चाबियां सौंपते हुए उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए योग और व्यायाम अपनाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल बागडे का विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में ग्रामीणों ने भावभरा अभिनन्दन करते हुए उनके सार्वजनिक सरोकारों और आम जन के लिए समर्पित जीवन की सराहना की।

# ओपन जेल में अस्पताल बनाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश

**जयपुर।** सांगानेर स्थित देश की पहली ओपन जेल की जमीन पर हॉस्पिटल बनाए जाने के मामले में कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किए रजिस्ट्रार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। कमिश्नर की रिपोर्ट में मुख्य तौर पर कैदियों के कल्याण व सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की जरूरतों पर जोर दिया है। इसके अलावा जेल की मौजूदा संरचनाओं को परिसर के भीतर वैकल्पिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की भी सिफारिश की गई है, ताकि 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण जेल की कार्यक्षमता से समझौता किए बिना ही किया जा सके। कमिश्नर की रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट आगामी सुनवाई पर विचार करेगा।

रिपोर्ट के साथ नक्शा पेश कर कहा कि लाल चिह्नित क्षेत्र में स्थित मौजूदा कैदी सुविधाओं को नीले और हरे चिह्नित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे कि जेल की संचालन प्रक्रिया सुचारू तौर पर जारी रह सके। इस स्थानांतरण योजना से कैदियों के लिए बेहतर आवास व सामुदायिक जगह बनाई जा सकेगी और इससे उनके जीवन को भी सुधारा जा सकेगा। इस दौरान स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के साथ ही कैदियों के कल्याण व अधिकारों से किसी तरह का कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा।

# राजरंगम् के मंच पर साकार हुई अर्जुन और चित्रांगदा की प्रेम कहानी

**जयपुर।** संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वें राजरंगम् का तीसरा दिन गुरुदेव रबीन्द्र नाथ टैगोर की कहानी पर आधारित नाटक चित्रांगदा के नाम रहा। शनिवार को संकेत जैन के निर्देशन में हुई प्रस्तुति में कलाकारों ने अर्जुन और चित्रांगदा की प्रेम कहानी को बड़े आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करते हुए वास्तविक सुंदरता को अपनाने का संदेश दिया गया। रविवार को शाम 6:30 बजे सुनीता तिवारी नागपाल (एनएसडी) के निर्देशन में पीले स्कूटर वाला आदमी नाटक का मंचन होगा।

चित्रांगदर की कहानी, महाभारत के एक प्रसंग से प्रेरित है। मणिपुर की राजकुमारी चित्रांगदा अर्जुन के प्रति बेहद आकर्षित है, लेकिन उसका हृदय जीतने में असफल रहती है क्योंकि उसमें कामुक सुंदरता की कमी है और सामान्य जीवन में वह एक निडर पुरुष की तरह व्यवहार करती है। चित्रांगदा के अनुरोध पर, प्रेम के देवता, कामदेव, उसे एक वर्ष के लिए शारीरिक सौंदर्य प्रदान करते हैं, और परिणामस्वरूप अर्जुन उससे प्रसन्न होता है। तब उसकी पहिरन उसे ज्ञात नहीं थी। हालांकि वर्ष समाप्त होने से पहले, अर्जुन उससे विमुख होने लगता है, और योद्धा राजकुमारी के पराक्रम की सूचना से उसके मन में उसके लिए गहरी प्रशंसा पैदा हो जाती है। तब चित्रांगदा अपने असली रूप में प्रकट हो जाती है, और वह उससे और भी अधिक प्यार करने लगता है, और नाटक खुशी से समाप्त हो जाता है। नाटक प्रतीकात्मक रूप से शारीरिक सुख और कामुक संतुष्टि से परे, वास्तविक सुंदरतस की व्याख्या और अन्वेषण करता है। इस काव्यात्मक नाटक को काव्यात्मक बिंबों, प्रतीकों और अत्यंत सुंदर भावों के कारण संचार के लिए एक नई नाट्यय भाषा की आवश्यकता है। निर्देशक ने विशिष्ट वेशभूषा और लाइट के प्रभाव के जरिए प्रकृति के सौंदर्य का बखूबी चित्रण किया। इसी के साथ संवादों में भाषा का लालित्य भी स्पष्ट रूप से साकार हुआ। शृंगार रस से ओत प्रोत यह प्रस्तुति मानव हृदय में प्रेम भावों को सहज रूप से उत्पन्न करती है।

गरीमा पारीक ने चित्रांगदा, विक्रांत रतनपाल ने अर्जुन, विमल मीणा ने कामदेव, आकर्ष काला ने बसंत, पीयूष सैन ने वनचर की भूमिका निभाई। अन्य कलाकारों में दिव्यांशी, सिमरन, आयुषी एवं इशिका शामिल रही। बादशाह जहानी और बरकत जहानी ने संगीत संयोजन, सुनीता बर्मन ने वेशभूषा, संकेत जैन व गौरव ने प्रकाश संयोजन, गगन त्रिवेदी ने मंच सज्जा और धनंजय ने मंच सहायक की जिम्मेदारी संभाली।

# जन सेवा करना बड़े ही सौभाग्य की बात है : मुख्य सचिव पंत

## एक बेहतर इंसान ही एक बेहतर अधिकारी या कर्मचारी हो सकता है : मुख्य सचिव पंत

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बाड़मेर तथा जैसलमेर जिलों में प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन और पब्लिक सर्विस डिलीवरी की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान पंत ने धरातल पर कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकारी सेवा में कार्य करते हुए सभी कार्मिकों में गौरवपूर्ण भाव होने चाहिए तथा काम के उपरांत संतोष का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक भाग्यशाली है कि उनका चयन विशेष प्रयोजन के लिए आमजन की सेवा हेतु परमात्मा ने किया है, इसलिए सरकारी तंत्र से जुड़े प्रत्येक कार्मिक को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ आमजन के कामकाज करने चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर इंसान ही एक बेहतर अधिकारी या कर्मचारी हो सकता है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जैसलमेर कलेक्ट्रेट में अधिकारियों की बैठक ली।

- मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बाड़मेर तथा जैसलमेर जिलों में फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन और पब्लिक सर्विस डिलीवरी की समीक्षा की

पंत ने जैसलमेर में गत दिनों जीएसटी काउंसिल की बैठक के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि रिसरजेंट राजस्थान के दौरान हुए सभी एमओयू को भी धरातल पर उतारने के लिए दोनों जिलों के जिला प्रशासन को तत्परता से कार्य करना होगा। इस मौके पर पंत ने कहा कि ई-फाइल सरकारी सिस्टम में क्रांतिकारी कदम है और इसका शत प्रतिशत उपयोग कर गुड गवर्नेंस की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सम्पर्क पोर्टल में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निस्तारण कर परिवादियों को राहत दें। उन्होंने बताया कि प्रकरणों के निस्तारण में तत्परता के साथ ही संतुष्टि का प्रतिशत भी बढ़ाए। उन्होंने पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की दोनों जिलों की विस्तार से समीक्षा की एवं निर्देश दिये कि 61 दिवस से 180 दिवस तक के प्रकरण बकाया है उनको निस्तारण कर शून्य की स्थिति में लावें। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को प्रतिदिन आधा घंटा राजस्थान संपर्क पोर्टल देने को कहा। इस मौके पर पंत ने निर्देश दिये कि दोनों जिलों की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति जिला कलेक्टर समय सीमा में करवाना सुनिश्चित करें एवं इस कार्य को सर्वापरी प्राथमिकता से लें। उन्होंने भूमि आवंटन, प्रशासनिक स्वीकृति, वित्तीय स्वीकृति, निविदा आमंत्रण, कार्यादेश जारी करने आदि सभी की नियत टाइमलाइन के अनुसार मॉनिटरिंग करने को कहा।

मुख्य सचिव ने कहा कि हर हाल में अगले बजट से पूर्व इस बजट के कार्य पूर्ण कर लिए जाने चाहिए। मुख्य सचिव ने जल जीवन मिशन के सीमावर्ती जिलों में क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मिशन के अंतर्गत स्वीकृत सभी प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने मिशन कर्मयोगी, पीएम किसान योजना, पीएम सूर्यघर, टीबी मुक्त भारत, गोबरधन योजना, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान आदि की प्रगति की समीक्षा की। वहीं ड्रग तस्करी की रोकथाम, अवैध खनन ओर ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्यवाही और महिलाओं पर अत्याचार पर त्वरित कार्रवाई की भी समीक्षा की। इस दौरान बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने बाड़मेर जिले में तथा जैसलमेर कलेक्टर प्रताप सिंह ने जैसलमेर जिले में फ्लैगशिप योजना की प्रगति की जानकारी दी। वहीं बाड़मेर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बाड़मेर जिले में और जैसलमेर पुलिस सुधीर चौधरी ने जैसलमेर जिले में अपराधों की रोकथाम और पुलिस की निरोधात्मक कार्यवाही की जानकारी दी।

बैठक में जिला कलेक्टर बाड़मेर टीना डाबी, जिला कलेक्टर जैसलमेर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक बाड़मेर नरेंद्र सिंह मीणा, पुलिस अधीक्षक जैसलमेर सुधीर चौधरी, उपवन संरक्षक बाड़मेर सवीता दहिया, उपवन संरक्षक जैसलमेर आशुतोष ओझा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बाड़मेर सिद्धार्थ पलानीचामी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैसलमेर सुनीता चौधरी, अतिरिक्त कलेक्टर बाड़मेर राजेंद्र सिंह चंद्रावत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जैसलमेर पवन कुमार समेत सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

# सोने-चांदी की दुकान से जेवर चोरी

**उदयपुर,** (कासं)। सोने-चांदी की दुकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात, अन्य दस्तावेज और क्षेत्र से कई वाहनों को चोरी कर ले गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोपाल सोनी पुत्र मदनलाल सोनी निवासी वार्ड नम्बर 19 फतहनगर ने रिपोर्ट दी कि वार्ड 19 में मदनलाल इन्द्रमल सोनी नाम से मेरी सोने-चाँदी की दुकान है। 28 दिसम्बर को सुबह 5.45 पर मैं दुकान खोलने गया तो मेरी दुकान के ताले टूटे हुए पाए। शटर भी आधा टूटकर खुला हुआ था। इस पर मैने पुलिस थाना फतहनगर को फोन कर सूचना दी। पुलिस के आने के बाद मैने अपनी दुकान अपना सामान देखा तो पुरी दुकान बिखरी हुई थी। मेरी दुकान से 40 ग्राम सोने का नया-पुराना सामान, भूरालाल नाम से फार्म 25 दिसम्बर 2024 सोने के दो मोती, कान के पुराने टाप्स पुराना, पुराना सोने का कटिंग कतरन, चाँदी के पायल व अन्य छुटकर चांदी पुरानी करीब एक किलो, सोने के बंधवा नावा करीब 400 नग, 50 हजार रूपए, रोबड़ी तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए।

इसके साथ कार मुकेश अग्रवाल के नाम की दोनों चाबियां, एक स्कूटी की चाबी तथा मेरे द्वारा खरीदी गई एक मोटरसाइकिल विकास प्रजापत के नाम से व एक स्कूटी सुशील के नाम की के असल कागजात व ब्रिकी खत भी चोरी हो गए है। इसी रात्रि में मेरे मकान व दुकान के पास नेहरू पार्क के पास रमेश बंसल के बडे माताजी फूल कँवर बंसल के कमरे में भी चाँदी के चार गिलास व अन्य बर्तन चोर चोरी कर ले गए। मनोहर लाल बापना की बाइक व प्रशान्त चौहान की बाइक भी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। मैने व आसपास के लोगों ने घटनास्थल के आसपास के कैमरे देखे तो 28 दिसम्बर समय सुबह तीन बजे चोर गली में आते-जाते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट पर फतहनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# नहर में डूबे युवक का शव मिला

**कोटा,** (निसं)। नान्ता थाना इलाके में शुक्रवार शाम को पैर फिसलने से नहर में डूबे युवक का शव शनिवार को घटनास्थल से आधा किलोमीटर दूर घास में फंसा हुआ मिला। नगर निगम की गौताखोर टीम ने रेस्क्यू कर शव को बाहर निकालकर शव पुलिस को सौंपा।

नगर निगम के गौताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि शुक्रवार शाम को नान्ता थाना क्षेत्र के बूंदी रोड़ पर बाई मुख्य नहर में एक युवक के डूबने की सूचना मिली। गौताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि बूंदी जिले के बांसी गांव निवासी महेन्द्र और उसका छोटा भाई लोकेश जो कोटा में रहकर मजदूरी करते हैं, शुक्रवार शाम को दोनों भाई हाथ-पैर धोने के लिये नहर पर रूके। उसी दौरान महेन्द्र का पैर फिसलने से महेन्द्र नहर में गिर गया जिसे डूबता देख उसे बचाने के लिये लोकेश भी उसके पीछे गया, पानी का बहाव अधिक होने से वहां मौजूद लोगों ने लोकेश को तो बचा लिया लेकिन महेन्द्र पानी में डूब गया। श्रृंगी ने बताया कि सूचना पर टीम लेकर मौके पर पहुंचे और शुक्रवार शाम से देर रात्रि तक नहर में युवक की तलाश की लेकिन अधिक अंधेरा होने व विजिबिलिटी कम होने से तलाशी अभियान को रोकना पड़ा। श्रृंगी ने बताया कि शनिवार सुबह से नहर में युवक की तलाश शुरू की गई और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पानी में डूबे युवक महेन्द्र (23) का शव घटना से आधा किलोमीटर दूर पानी मे हो रही घास में फंसा मिला। युवक के शव को रेस्क्यू कर बाहर निकाला कर पुलिस को सौंप दिया गया।

# स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

## घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त

बरोनी पुलिस ने स्मैक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

**निवाई,** (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह ने बताया कि बरोनी थाना व निवाई पीपलू थाना की विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए बरोनी थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान गोलू सैनी उर्फ लुडकी पुत्र लीलाराम सैनी निवासी भैरूजी के मंदिर के पास पहाड़ी चुंगी नाका निवाई को गिरफ्तार कर उससे 5.26 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# पिछोला में डूबा युवक, मौत

**उदयपुर,** (कासं)। पिछोला झील पर गाईडिंग करते हुए एक युवक की चक्कर आने से पिछोला में डूबने से मौत हो गई। देवेन्द्र सिंह (37) पुत्र राजेश्वरसिंह रावत निवासी जलापा भीम राजसमंद हाल नीमचखेड़ा यहां पिछोला किनारे गाईडिंग का काम करता था। शुक्रवार शाम को यह पिछोला की पाल पर खड़ा था और चक्कर आने से यह झील में गिर पड़ा। साथियों ने इसे तत्काल बाहर निकाला और एमबी चिकित्सालय लेकर गए, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

# पुष्कर घाटी अजमेर रोवर मूट में सीकर के रोवर्स का प्रदर्शन

**सीकर।** राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में 26 दिसंबर से आयोजित राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट में सीकर जिले के रोवर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर शिविर संचालक सुयश लोढ़ा राज्य संगठन आयुक्त गाइड राजस्थान एवं विनोद जोशी सहायक राज्य संगठन आयुक्त मंडल अजमेर, बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान सीकर जिले से मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय सीकर के नेतृत्व में मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय सीकर के सीनियर रोवर लखन बावरिया, नीतीश कुमार, हिमांशु जाखड़, बी आर अंबेडकर ओपन रोवर थोई के सीनियर रोवर रामप्रसाद भास्कर, कानाराम यादव, प्रताप ओपन रोवर के सीनियर रोवर मेंट सचिन शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रोबोट द्वारा दिन-रात मेहनत कर तैयार सीकर की शिविर कला एवं प्रदर्शनी को देखने के लिए अजमेर संभाग ही नहीं राज्य के स्काउट गाइड पदाधिकारी एवं विशेष मेहमान सीकर के टेंट में पधारे और सीकर जिले के रोवर्स द्वारा तैयार शिविर कला को देखकर अभिभूत हुए।

# ग्राम पंचायत कालरी का निरीक्षण

**सादुलपुर,** (निसं)। ग्राम पंचायत कालरी के कार्यालय का पंचायत राज विभाग मंत्री के ओएसडी सुरेंद्र गोदारा ने औचक निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायक को कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत कार्यालय पर ताला लगा हुआ मिला तथा कार्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। जिस पर निरीक्षण के बाद ओएसडी सुरेंद्र गोदारा ने पंचायत समिति के विकास अधिकारी शुभम शर्मा प्रशिक्षु आरएएस को दूरभाष पर निरीक्षण की जानकारी दी।

विकास अधिकारी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं इस सम्बन्ध में सरपंच प्रमिला पूनिया ने बताया कि शाम पांच बजे लगभग गांव के लोगों ने सूचना दी, जबकि उनको निरीक्षण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ग्राम विकास अधिकारी कनिष्ठ सहायक मौके पर पहुंच गए थे। उससे पहले अधिकारी चले गए थे। ग्राम पंचायत में मात्र दो कार्मिक उनके पास है, सफाई कार्मिक भी नहीं है तथा शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

# अवैध डोडा-पोस्त सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने डोडा-पोस्त परिवहन करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

**टोंक,** (निसं)। वृताधिकारी मालपुरा के निर्देशन में पचेवर थानाधिकारी हीरालाल व डीएसटी टीम की संयुक्त कार्रवाई में 10.610 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त परिवहन करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुदु-मालपुरा स्टेट हाईवे से ग्राम बरोल जाने वाले कच्चे रास्ते पर दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिल से जाते देखा गया, जिन्हें डिटेन कर पूछताछ करने पर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त जप्त किया गया। आरोपी राजू पुत्र जगनाथ गुर्जर निवासी ग्राम थड़ी थाना पचेवर व गणेश पुत्र छितर गुर्जर निवासी ग्राम पचेवर थाना पचेवर गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल जप्त की गई है। एनडीपीएस एक्ट के अधिन दोनों को गिरफ्तार कर अनुसंधान जारी है।

# बेकरिया हादसा : एक जने की और मौत

## हादसे में मृतकों की संख्या छह हुई

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर-पिण्डवाडा हाईवे पर शुक्रवार को हुए हादसे में एक ओर की मौत हो गई है। मरने वालों की संख्या अब 6 हो गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाइवे पर शुक्रवार को मालवा का चौरा पुलिया के पास सालेरिया गांव से हाइवे पर आने के लिए बने कट से सवारियों से भरा एक ऑटो निकल रहा था कि पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर ने ऑटो को चपेट में ले लिया।

ऑटो में 14 सवारियां थी। जिसमें से पांच की मौत हो गई और नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया था, जहां पर उपचार के दौरान एक बच्चे सुरेश (11) पुत्र मंशाराम गरासिया निवासी सालरिया बेकरिया की भी मौत हो गई। सूचना पर बेकरिया पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजना के सुपुर्द कर दिया। इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या छह हो गई है।

# अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। नान्ता थाना पुलिस टीम ने अवैध शराब के 60 पव्वों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान पीपली चौराहे पर मुखबीर से सूचना मिली कि पार्श्वनाथ अपार्टमेंट के सामने पत्थर के स्टॉक पर एक व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर थाने के सहायक उपनिरिक्षक दुर्गालाल मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और संदिग्ध व्यक्ति को डिटेन कर तलाशी ली तो उसके पास मिले प्लास्टिक के कट्टे के अंदर 60 पव्वे अवैध देशी शराब के मिले।

- पकड़े गये आरोपी से मामले में अनुसंधान किया जा रहा है

थानाधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मौके पर मिले अवैध देशी शराब के पव्वों को जप्त करते हुए गुर्जरों का मोहल्ला नान्ता निवासी शिवराज गुर्जर (48) को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

# आग से लाखों का नुकसान

**राजलदेसर,** (निसं)। राजलदेसर में आग से गरीब परिवार के झोपड़े में आग लग गई। रामेश्वर लाल मेघवाल जो अपने परिवार के साथ खेत में रहता था शुक्रवार देर शाम को अचानक खेत के झोपड़े में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। रामेश्वर ने बताया कि10 हजार रुपए नगद राशि, इसके अलावा खाने पीने का करीबन पूरा सामान इसके अलावा तीन क्विंटल अनाज, पहनने के लिए कपड़े झोपड़ा आदि जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका के उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश घिंटाला मौके पर पहुंचे एवं मौका मुआयना करके राजलदेसर पुलिस थाने में सूचना दी। रामेश्वर एवं उसकी पत्नी ने बताया हमारे पास जो था वह सारा का सारा जलकर नष्ट हो गया।

# ट्रेलर की टक्कर से युवती की मौत

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाइवे पर एक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और इस ट्रेलर ने आगे चल रही एक बाइक को चपेट में लेते हुए हाइवे के किनारे खड़े टैंपो ट्रेवलर को चपेट में ले लिया, जिससे ट्रेवलर में सवार एक युवती की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाइवे पर आक्यावड के पास खोखरिया नाल के पास में उदयपुर से पिण्डवाड़ा की ओर जा रहा एक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और आगे चल रही एक बाइक को चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार दो युवक हाइवे के किनारे गिर पड़े और ट्रेलर ने आगे हाइवे के किनारे खड़े एक टैंपो ट्रेवलर को चपेट में ले लिया और करीब 400 मीटर तक घसीटते हुए जाकर रूके।

इससे ट्रेवलर में सवार बांदीकुई दौसा निवासी प्रांजल (17) पुत्री राकेश कुमार रावत निवासी मानगंज दौसा की मौत हो गई और ट्रेवलर में सवार सुनीता पत्नी राकेश, अंकुर पुत्र भगवानलाल, दिलीप पुत्र सतीश जालानी और अनिता पत्नी अंकुर, ओजस पुत्र अंकुर निवासी बांदीकुई दौसा घायल हो गए, जिन्हें तत्काल स्थानीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से उदयपुर रैफर कर दिया, जिन्हें एक निजी चिकित्सालय भर्ती करवाया गया। पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

# पांच लाख के मादक पदार्थ के साथ तीन गिरफ्तार

## इलेक्ट्रॉनिक कांटा व स्कूटी जब्त

**उदयपुर,** (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर योगेश गोयल द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम ने थाना सविना व थाना बड़गांव टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुये करीब 53 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. जब्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पहली कार्रवाई थाना बड़गांव में की गई जहां एएसपी शहर उमेश ओझा व उप अधीक्षक वृत्त नगर पश्चिम कैलाशचन्द्र के सुपरविजन में श्यामसिंह रत्नु पुलिस निरीक्षक (प्रभारी डी.एस.टी.) व पूरण सिंह थानाधिकारी, बड़गांव मय टीम द्वारा आसूचना के आधार पर बड़ी क्षेत्र में अभियुक्त मोहम्मद सहिद पिता मोहम्मद रफीक मंसुरी निवासी महावतवाडी मस्जिद के पास थाना घण्टाघर जिला उदयपुर एवं जहीर मोहम्मद पिता अली मोहम्मद निवासी अलीपुरा थाना भूपालपुरा जिला उदयपुर के कब्जे से 11.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. जब्त कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों द्वारा उक्त एम.डी.एम.ए. मोहम्मद शाहरूख उर्फ साहिल डुंगा पिता मोहम्मद युनुस निवासी वर्मा कॉलोनी, सविना, उदयपुर से खरीदकर लाना बताया गया।

- मामले में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी

दूसरी कार्रवाई सवीना थाना इलाके में की गई जहां एएसपी शहर उमेश ओझा व उप अधीक्षक पुलिस उप अधीक्षक वृत्त नगर पूर्व छगन पुरोहित के सुपरविजन में श्यामसिंह रत्नु पुलिस निरीक्षक (प्रभारी डी.एस.टी.) व अजय सिंह राव थानाधिकारी, सविना मय टीम ने अभियुक्त मोहम्मद शाहरूख उर्फ साहिल डुंगा पिता मोहम्मद युनुस निवासी वर्मा कॉलोनी थाना सविना जिला उदयपुर के कब्जे से 41.03 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. व मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. बेचने में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक कांटा व परिवहन करने में प्रयुक्त स्कूटी को जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ने बड़गांव प्रकरण में गिरफ्तशुदा अभियुक्तों को अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. बेचना स्वीकार किया। मामले में प्रकरण दर्ज किया जाकर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

# मंड्रेला के नवजोत सिंह को विदेशी कंपनी में मिला लाखों का पैकेज

## आईआईएम लखनऊ में प्लेसमेंट के दौरान नवजोत सिंह शेखावत का चयन

**मंड्रेला,** (निसं)। झुंझुनूं जिले के मंड्रेला कस्बे के नवजोत सिंह शेखावत (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने विश्व की सबसे बड़ी ऑफिस फर्नीचर डिजाइन सोल्यूशन कंपनी में से एक (रॉकवर्थ इंटरनेशनल,थाईलैंड) में चयनित होकर बड़ा मुकाम हासिल किया है।

जानकारी के अनुसार नवजोत के पिता अरविंद सिंह शेखावत प्रॉपर्टी डीलिंग और खेतीबाड़ी का कार्य करते हैं व माता प्रकाश कंवर गृहणी है। नवजोत ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के एक निजी विद्यालय से प्राप्त की इसके बाद व बीकॉम करने के लिए अमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा चले गए, जहां से बीकॉम की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने शिक्षक की नौकरी की और जॉब के साथ-साथ केट परीक्षा की तैयारी शुरू की और वर्ष 2022 में नवजोत को केट परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई और उनका चयन आईआईएम लखनऊ में हुआ। जहां से उन्होंने सस्टेनेबल मैनेजमेंट में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद कैपस प्लेसमेंट में उन्हें थाईलैंड बेस कंपनी द्वारा 24 लाख का पैकेज ऑफर हुआ। महज 26 साल की उम्र में नवजोत ने विदेश तक झुंझुनूं जिले और अपने गांव की पहचान कराई है।

नवजोत की इस सफलता पर ग्राम पंचायत सरपंच कुलदीप सिंह शेखावत, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, पूर्व पंसस विनोद सिंह निर्वाण, अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष सुशील रूंगटा, पंसस नफीस मंडेलिया, ब्राह्मण समाज महिला अध्यक्ष सविता शर्मा, श्री बाल राम श्रेणी रामलीला संस्थापक शंकरशरण पोलीवाल, एडवोकेट ईशान मिश्रा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों ने बधाई प्रेषित की।

बातचीत में नवजोत सिंह शेखावत ने बताया कि मैंने हमेशा अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत की। मेरे माता-पिता ने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया और आज मैं उन्हें गर्व महसूस कराना चाहता हूं। नवजोत ने कहा अगर मन में दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी बाधा हमें हमारे लक्ष्यों तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। गांव के अन्य युवाओं के लिए नवजोत एक प्रेरणा बन गए हैं। उन्होंने गांव के बच्चों को शिक्षा के महत्व और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेहनत करने की सलाह दी।

ग्राम पंचायत सरपंच कुलदीप सिंह शेखावत ने नवजोत के उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा गांव के इस बेटे की कहानी हमें यह सिखाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। अरविंद सिंह शेखावत, नवजोत के पिता ने बताया कि नवजोत का चयन विश्व की सबसे बड़ी ऑफिस फर्नीचर डिजाइन सोल्यूशन कंपनी में से एक (रॉकवर्थ इंटरनेशनल, थाईलैंड) में चयनित होने के बाद से घर में सब लोग खुश हैं। मेरे बेटे को कंपनी द्वारा जॉब के लिए 24 लाख रुपए सालाना पैकेज मिलेगा। बेटा अभी आईआईएम लखनऊ से एमबीए कर रहा है, उस कॉलेज में प्लेसमेंट के दौरान ही चयन हुआ है। बचपन से पढ़ाई में तेज स्टूडेंट था, कुछ नया करने की चाह रखता था।

सिडनी टेस्ट से बाहर होने पर रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं कही नहीं जा रहा हूं। इन सभी चर्चाओं के बीच रोहित शर्मा ने टीम से बाहर होने को लेकर चुप्पी तोड़ी है।

**- रोहित शर्मा**

**भारतीय खिलाड़ी, भारत को लेकर मैंने चुप्पी तोड़ी।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

**युजवेंद्र चहल**

**भारतीय** टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा एक-दूसरे से अलग होने जा रहे हैं। दोनों के बीच करीबी सूत्र के मुताबिक इस कपल के अलग होने की खबरें बिल्कुल सच हैं। इनके बीच होने वाले तलाक को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है लेकिन सूत्र का कहना है कि ये तय है कि सारी प्रक्रिया पूरी होने में कुछ वक्त लगेगा। तलाक की बात पूरी तरह से सच है और इसे आधिकारिक होने में अब बस कुछ ही समय शेष है। उनके अलग होने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन ये साफ है कि इस जोड़े ने अलग-अलग अपनी जिंदगी जीने का फैसला किया है।

**क्या आप जानते हैं ?...** सचिन तेंदुलकर ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा 463 मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया हुआ है। दुनिया में अभी तक कोई भी बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के इस महारिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाया है।

## लीजेंड 90 लीग : हरियाणा ग्लेडियेटर्स में शामिल हुए भज्जी

नई दिल्ली, 4 जनवरी। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडियेटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय मैच खेल चुके हरभजन के टीम में पूर्व

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को शामिल किया गया है। हरियाणा ग्लेडियेटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है। शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि, हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है। लीग में सात फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और लीग का प्रारूप जिस तरह से नजर आ रहा है।

## आसान नहीं है सिडनी का पिच, मैच पूरी तरह खुला है : कृष्णा

सिडनी, 4 जनवरी। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का मानना है कि सिडनी की असामान्य उछाल वाली पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है और मैच अभी पूरी तरह खुला हुआ है। गौरतलब

है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में भारत ने शनिवार को मेजबान टीम के खिलाफ न सिर्फ पहली पारी में चार रन की बढ़त हासिल की बल्कि दूसरी पारी में रिषभ पंत (61) की धुआंधार पारी की मदद से अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 141 रन बना लिये। इस तरह भारत की कुल बढ़त अब 145 रन की हो चुकी है मगर रनो के लिहाज से अभी भी भारत को काफी बल्लेबाजी करनी होगी। इसके बावजूद प्रसिद्ध कृष्णा भारत की अब तक मिली बढ़त को चुनौतीपूर्ण मानते है। दिन के खेल की समाप्ति के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होने कहा कि सिडनी में पिच से मिल रही असामान्य उछाल में बल्लेबाजी करना चुनौती भरा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। उन्होने कहा पिच के कुछ हिस्सों से गेंद को परखना मुश्किल हो रहा है। गेंद कभी-कभी नीचे रह रही है। हमारे पास मैच में बने रहने का पूरा मौका है। हमें पर्याप्त उछाल हासिल कर बल्लेबाज को बल्ले की दोनों ओर से छकाना होगा और किनारा लगने पर कैच लपकने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा हमने फिलहाल जीतने लायक रन के लिये कोई विशेष संख्या तय नहीं की है मगर रविवार को बनने वाला हर रन हमारी जीत की भूमिका तय करेगा।

## दिमित्रोव ने बीच मुकाबले में मैच छोड़ा, लेहेका ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में

ब्रिस्बेन, 4 जनवरी। दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव शनिवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में जिरी लेहेका के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान ग्रोइन चोट के कारण रिटायर हो गये। लेहेका से 6-4, 4-4 से पिछड़ रहे दिमित्रोव बीच मैच में कोर्ट से बाहर चले गए। उन्होने कुछ समय बाद फिर खेलने का प्रयास किया लेकिन ग्रोइन इंजरी के कारण उन्होंने रिटायर होने का फैसला किया। इससे 23 वर्षीय लेहेका अपने चौथे एटीपी फाइनल में पहुंच गए। लेहेका ने पिछले साल एडिलेड इंटरनेशनल खिताब जीता था और यह उनका पहला एटीपी एकल खिताब था। दिमित्रोव के पास मेलबर्न में 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ठीक होने के लिए एक सप्ताह का समय है।

## पाक के साइम अयूब टखने की चोट के कारण बाहर

कराची, 4 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन क्षेत्ररक्षण करते समय टखने में चोट खा बैठे पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साइम अयूब को छह हफ्ते का आराम दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा कि उनका एमआरआई और अन्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने साइम को छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय साइम के टखने में चोट लग गई थी।

## ओडिशा सरकार तीन साल के लिए राष्ट्रीय खो-खो टीम को करेगी प्रायोजित

भुवनेश्वर, 4 जनवरी। ओडिशा सरकार खो खो तीन साल के लिए राष्ट्रीय खो खो टीम को प्रायोजित करेगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को यह घोषणा की। उन्होने कहा कि देश में यह 'खो खो' खेल के लिए सुनहरा समय है और राज्य सरकार इस खेल को प्रोत्साहन देगी। ओडिशा ने पहले राष्ट्रीय हॉकी खेल को प्रायोजित किया था और अब मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी खो खो खेल को बढ़ावा देने के लिए आगे आए हैं। इस प्रायोजन की अवधि जनवरी 2025 से दिसंबर 2027 तक होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय खो खो को प्रायोजित करने में हर साल पांच करोड़ रुपये के हिसाब से कुल 15 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यह राशि ओडिशा खनन निगम द्वारा प्रदान की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि इससे न केवल भारतीय खो-खो खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि ओडिशा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में ब्रांडिंग के माध्यम से विश्व स्तर पर राज्य की छवि को प्रोत्साहन मिलेगा।

# सिडनी टेस्ट में भारत का पलटवार, मिली चार रन की बढ़त

सिडनी, 4 जनवरी। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को भारत ने पलटवार करते हुये आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 181 रनों पर समेट कर चार रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाये थे। चायकाल से ठीक पहले आस्ट्रेलिया की पारी समाप्त हो गयी। सीरीज में पहली बार खेल रहे प्रसिद्ध कृष्णा ने 42 रन देकर तीन विकेट चटकाये जबकि मो सिराज ने 51 रन खर्च कर तीन विकेट झटके।

जसप्रीत बुमराह और नीतीश कुमार रेड्डी को दो दो विकेट मिले। चार रन की लीड मिलने के बावजूद जसप्रीत बुमराह की फिटनेस ने भारत को चिंता में डाल दिया है। आज के सत्र की शुरुआत में सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह मैदान से बाहर चले गए और बाद में उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल जाते देखा गया, जिससे बाकी मैच के लिए उनकी उपलब्धता संदेह में पड़ गई है।

भारतीय गेंदबाजों के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दबाव के कारण संघर्ष की स्थिति में रहे। विशेषकर लंच के बाद भारतीय गेंदबाजों ने अपनी स्विंग और रफ्तार से आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा किया। पारी के 51वें ओवर में आखिरी खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड को आउट करने में उनकी रफ्तार काबिल ए तारीफ थी। प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से सबको आकर्षित किया। रेड्डी ने मिचेल स्टार्क को 1 रन पर और पैट कमिंस को 10 रन पर आउट किया। दोनों स्लिप में कैच आउट हुए।

विकेटों की झड़ी के बावजूद, नवोदित ब्यू वेबस्टर (57) और एलेक्स कैरी (21) ने मजबूत इरादों के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। वेबस्टर ने अद्भुत संयम दिखाया और 105 गेंदों में पांच चौकों सहित 57 रन बनाए। उन्होने रेड्डी की गेंद पर शॉट लगा कर पहले ही टेस्ट मैच में पचास रन पूरे किये।

दूसरी छोर पर कैरी ने कई आत्मविश्वास भरे स्ट्रोक खेले और दो बार ऑफ साइड से बाउंड्री लगाई। इससे पहले, भारत ने खेल पर मजबूत पकड़ के साथ शुरुआत की थी। सुबह जसप्रित बुमरा ने मार्नस लाबुशेन को सिर्फ दो रन पर आउट कर पहली सफलता दिलाई थी। सिराज ने शानदार डबल स्ट्राइक के साथ सैम कोन्स्टास और ट्रैविस हेड दोनों को तुरंत आउट कर दिया। भारत को अब दूसरी पारी में खराब होती पिच पर संयम से खेलते हुये मेजबान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना होगा।

## बुमराह की पीठ में खिंचाव

सिडनी, 4 जनवरी। भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने मौजूदा सीरीज के दौरान पीठ में ऐंठन का अनुभव होने के बाद जसप्रीत बुमराह की स्थिति के बारे में जानकारी दी है। कृष्णा ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बुमराह कड़ी चिकित्सा निगरानी में हैं।

उन्होने कहा कि बुमराह को पीठ में ऐंठन का अनुभव हुआ और स्कैन कराया गया। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, और अपडेट देने के बाद हमें स्थिति का पता चलेगा। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में भारत के कार्यवाहक कप्तान बुमराह मेडिकल स्कैन के लिए आज सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) से चले गए। हालाँकि बाद में वह स्टेडियम में लौट आए और ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों के साथ फिर से शामिल हो गए हैं। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज को सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन लंच के बाद के सत्र के दौरान असहजता का अनुभव होने के बाद मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तत्काल चिकित्सा सहायता मांगने के बाद, बुमराह को मैदान से बाहर निकलते देखा गया। बाद में रिपोर्टों से पुष्टि हुई कि चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए उनका स्कैन कराया गया।

जाने से पहले बुमराह ने आज आठ ओवर फेंके थे, जिसमें उन्होने मार्नस लाबुस्चगने का विकेट लिया। चोट लगने से पहले उन्होंने श्रृंखला के पांच टेस्ट मैचों में कुल 151.2 ओवर फेंके थे, जो ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस (152 ओवर) के बाद दूसरे स्थान पर थे। उनके अत्यधिक इस्तेमाल ने जोखिम के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। तेज गेंदबाज पूरी श्रृंखला में जबरदस्त फॉर्म में रहे, उन्होंने 13.06 की शानदार औसत से 32 विकेट लिए। उनके प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने के हरभजन सिंह के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

## संन्यास पर भी बोले रोहित

सिडनी, 4 जनवरी। मैच से हटने के साथ ही रोहित शर्मा के संन्यास की चर्चा भी तेजी से होने लगी थी। रोहित ने अपने संन्यास के बारे में भी स्पष्ट किया। उनके आराम करने के फैसले के बाद सुनील गावस्कर ने कहा कि यह रोहित शर्मा का टेस्ट में आखिरी टेस्ट हो सकता है यहां तक कि रवि शास्त्री ने भी इसी तरह की राय दी। हालांकि, रोहित ने पुष्टि की है कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, "मैं इस बात पर विश्वास नहीं करता कि पांच महीने बाद क्या होगा। मैं वर्तमान पर ध्यान देना चाहता हूं। यह फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। मैं खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन, इस मैच के लिए मैं बाहर हूं क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा हूं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि पांच महीने बाद मैं रन नहीं बना पाऊंगा। हर दिन जिंदगी बदलती है। मुझे खुद पर विश्वास है।"

रोहित शर्मा ने कहा कि मैंने यह खेल इतने लंबे समय तक खेला है। कोई भी बाहरी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि मुझे कब जाना चाहिए, कब बाहर बैठना चाहिए या टीम का नेतृत्व करना चाहिए। मैं समझदार हूँ, परिपक्व हूँ, दो बच्चों का पिता हूँ। मैं जानता हूँ कि मुझे जीवन में क्या चाहिए।"

## सैकिया का सचिव और प्रभतेज का कोषाध्यक्ष चुना जाना तय

मुंबई, 4 जनवरी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के अंतरिम सचिव के तौर पर काम कर रहे देवजीत सैकिया ने शनिवार को सचिव पद के लिए और प्रभतेज भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। दोनो के ही निर्विरोध चुने जाने की पूरी उम्मीद है। बीसीसीआई सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का चेयरमैन चुने जाने के बाद सैकिया बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं वहीं आशीष शेलार के महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद रिक्त कोषाध्यक्ष पद के लिये छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज ने नामांकन किया है। बीसीसीआई के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार शनिवार शाम चार बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकते थे जिसमें सैकिया और प्रभतेज ने ही अपना नामांकन दाखिल किया है और दोनो का ही निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है।

## सैम कॉन्स्टास के खिलाफ भारतीयों का रवैये पसंद नहीं आया : मैकडॉनल्ड

सिडनी, 4 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि सैम कॉन्स्टास के खिलाफ वह भारतीय खिलाड़ियों के रवैये को पसंद नहीं करते हैं। गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल के आखिरी क्षणों में कॉन्स्टास और भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के बीच बहस हो गई थी। इस बहस के दो गेंदों के बाद बुमराह ने ख़्वाजा को दिन की आखिरी गेंद पर आउट कर दिया था।

विकेट लेने के बाद बुमराह दौड़ कर कॉन्स्टास के पास गये और उन्हे घूरा जिसके बाद टीम के अन्य सदस्यों ने जश्न मनाया। मैकडॉनल्ड ने कहा, जिस तरह भारत ने उस विकेट का जश्न मनाया वह काफ़ी डराने वाला था। हालांकि यह खेल के नियमों के दायरे में था। यहां कोई आरोप नहीं लगाया

जा रहा है, लेकिन विपक्षी टीम का नॉन-स्ट्राइकर के चारों ओर इस तरह जमा होना शायद ठीक नहीं था। बल्लेबाज की मानसिक स्थिति सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है ताकि वह मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सके।

उन्होने कहा, यह नियमों के दायरे में था, क्योंकि उसके लिए कोई जुर्माना या सज़ा नहीं दी गई। इसलिए मैं इसे आईसीसी, एंडी पाइक्रॉफ्ट (मैच रेफ़री) और मैदान पर मौजूद अंपायरों पर छोड़ता हूं। अगर उन्हें यह संतोषजनक लगा तो ठीक है। इसके बाद वह मोहम्मद सिराज की गेंद पर स्लिप में कैच आउट हो गए। जब कॉन्स्टास का विकेट गिरा तो बुमराह मिड-ऑन पर फ़ील्डिंग कर रहे थे, विकेट गिरने के बाद तुरंत भारतीय खिलाड़ियों के समूह की ओर नहीं गए और इसके बजाय कॉन्स्टास की दिशा में चलते हुए दिखे। दिन के खेल की समाप्ति पर प्रेस कांफ्रेंस ने भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा हमें उनके खेलने के तरीके.में मज़ा आता है और हम भी आक्रामक तरीक़े से खेलना पसंद करते हैं। अगर हमारे सामने कोई कहता है कि मैं तुम्हारा सामना कर सकता हूं, तो एक टीम के रूप में हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम यहां हैं और हमें हल्के में मत लो। तुम्हारे ख़िलाफ़ हम सभी 11 खिलाड़ी एकसाथ हैं। अगर तुम भी उतने ही आक्रामक हो सकते हो, तो ठीक है।

## दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज ने ठोका दोहरा शतक

केपटाउर्न, 4 जनवरी पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट केपटाउन में खेला जा रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान रयान रिकेल्टन 9 साल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी बन गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 266 गेंदों में ये उपलब्धि हासिल की। इससे पहले साल 2016 में हाशिम आमला ने दोहरा शतक लगाया था।

रिकेल्टन का टेस्ट में पहला दोहरा शतक था और दिलचस्प बात ये है कि वह 2025 में शतक औऱ दोहरा शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अपने दोहरे शतक के दौरान इस बल्लेबाज ने कई रिकॉर्ड बनाए। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को शतक बनाने के बाद टेम्बा बावुमा के साथ मिलकर पहले दिन अपनी टीम को फिर से जीत दिलाने के लिए दोहरा शतकीय साझेदारी की। रयान ने जैक्स कैलिस को पछाड़ दिया है।

## मुख्यमंत्री के निर्देशन में सुशीला मीणा को गोद लेकर आरसीए जयपुर में देगा विशेष प्रशिक्षण

### सीएमआर में आज होगा सुशीला मीणा का सम्मान

जयपुर, 4 जनवरी , आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन व सहयोग से आरसीए एडहॉक कमेटी राजस्थान में खेल के विकास व उत्थान के लिए गहन प्रयासरत है व उसका हमेशा से प्रयास रहा है की राज्य के कोने कोने से प्रतिभावान खिलाडियों की प्रतिभा को पहचान उन्हें उचित अवसर प्रदान किया जाये इसी कड़ी में कल दिनांक 5 जनवरी को दोपहर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी राज्य के प्रतापगढ़ जिले की प्रतिभावान युवा महिला खिलाड़ी सुशीला मीणा के भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु आरसीए द्वारा सुशीला मीणा को गोद लेकर जयपुर मे अपनी देखरेख मे प्रशिक्षित कोचों की निगरानी मे विषेश प्रशिक्षण सहित उसके आवास व अन्य मूलभूत सुविधाओ की व्यव्स्था करेगा।

जयदीप बिहाणी के अनुसार भारत रत्न व महान क्रिकेट खिलाडी सचिन तेंदुलकर द्वारा राज्य (प्रतापगढ़) की युवा प्रतिभावान महिला खिलाडी के गेंदबाजी एक्शन व प्रतिभा की प्रशंसा के बाद आरसीए एडहॉक कमेटी व प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ ने सुशीला मीणा की जबरदस्त प्रतिभा के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को अवगत कराया व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार आरसीए द्वारा युवा महिला खिलाड़ी के भविष्य को संवारने हेतु विषेश प्रशिक्षण, सुशीला मीणा को आरसीए द्वारा गोद लेने व सम्मान समारोह मुख्यमंत्री की उपस्तिथि में आयोजित होगा ।

जयदीप बिहाणी ने बताया की सुशीला मीणा के सीएमआर में दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री भजलाल शर्मा की उपस्तिथि में आयोजित किये जाने वाले सम्मान समारोह के अवसर पर खेल मंत्री ( कैबिनेट ) कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर , प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा, आरसीए एडहॉक कमेटी, प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ सचिव पिंकेश पोरवाल एवं समस्त जिला क्रिकेट संघों के प्रतिनिधि व सुशीला मीणा के परिजन मौजूद रहेंगे।जयदीप बिहाणी के अनुसार सम्मान समारोह के बाद दोपहर 2 बजे आरसीए द्वारा सभी जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों व सम्मानित खिलाडी व अतिथियों हेतु भोजन की व्यवस्था आरसीए एकेडमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम पर की जाएगी।

## राजस्थान ने कांस्य पदक अपने नाम किया

जयपुर, 4 जनवरी। आज पहले दिन रैंकिंग के साथ टीम इवेंट के मुकाबले खेले गए जिसमें महिला टीम में राजस्थान ने कांस्य पदक अपने नाम किया। फाइनल मुकाबला कल पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में खेले जाएंगे। एनटीपीसी सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता का आज भव्य उद्घाटन जयपुर के पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के तीरंदाजी मैदान पर हुआ। प्रतियोगिता में देशभर से 800 से अधिक तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें राष्ट्रीय पदक विजेता, ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज शामिल हैं।

## यशस्वी जायसवाल ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 4 जनवरी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का अहम मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेल जा रहा है। जिसमें भारतीय टीम ने पहली पारी में 4 रन की बढ़त हासिल की। अब दूसरे पारी के शुरुआत भारत के लिए बेहद धमाकेदार रही। जिसके लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ओपनिंग करने आए। दूसरी पारी के पहले ओवर में ही जायसवाल ने ऐसी शानदार पारी खेली कि उन्होंने एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी के शुरुआत धमाकेदार रही। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पारी की शुरुआत करने आए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिशेल स्टार्क पहला ओवर फेंकने आए। पहले जहां स्टार्क शुरुआती ओवरों में जायसवाल के लिए बुरा सपना बनते थे। वहीं अब जायसवाल ने दूसरी पारी के पहले ओवर में स्टार्क के खिलाफ 16 रन ठोक दिए। पहले ओवर में 16 रन बनाकर यशस्वी जायसवाल भारत की तरफ से एक टेस्ट पारी के ओपनिंग ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।स्टार्क के पहले ओवर में यशस्वी जायसवाल के आक्रामक शॉट्स का गवाह बना। स्टार्क की पहली गेंद पर कोई रन नहीं आया। दूसरी गेंद पर शॉर्ट और बाहर जाती हुई गेंद को यशस्वी ने स्लिप के ऊपर से चौके के लिए भेजा दिया। तीसरी गेंद पर एक और शॉर्ट और वाइड डिलीवरी को उन्होंने स्क्वायर के पीछे से बाउंड्री पार पहुंचा दिया।वहीं चौथी गेंद पर लेट कट करते हुए उन्होंने एक और शानदार चौका जड़ा। पांचवीं गेंद पर कट शॉट मिस करने के बाद छठी गेंद पर उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर पिच हुई गेंद को कवर ड्राइव से चौके में बदल दिया।इस ओवर में स्टार्क का आंकड़ा 0,4,4,4,0, 4 रहा, जिससे भारतीय टीम की दूसरी पारी धमाकेदार शुरुआत के साथ आगे बढ़ी।

## वीमेन अंडर-19 ट्रॉफी में राजस्थान ने त्रिपुरा को हराया

### राजस्थान के लिए हैप्पी कुमारी व मैना सोयल का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 4 जनवरी। नागपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - त्रिपुरा मैच में राजस्थान ने हैप्पी कुमारी व मैना सोयल के शानदार प्रदर्शन की सहायता से त्रिपुरा को 151 रनो के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने मैना सोयल की नाबाद अर्धशतकीय पारी की सहायता से निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 235 रनो का स्कोर बनाया। टीम के लिए मैना सोयल नाबाद 86 , अंकिता महला 38, श्रेया जोशी 32 , अंशु सैनी 15, हैप्पी कुमारी 13 ,पारवती 12 व अंजलि जाट नाबाद 12 रनो का योगदान दिया। त्रिपुरा की गेंदबाज गिया मंडल 48 /2 व तानिया 49 /2 विकेट प्राप्त किये। त्रिपुरा पारी, 84 आल आउट। राजस्थान की गेंदबाज हैप्पी कुमारी 9/5, मैना सोयल 11/2, तनिका शर्मा, पर्ल बामनावत व वंशिका प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त करते हुए टीम को जीत दिलाई।

**अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी प्री क्वाटर फाइनल**

बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - बंगाल प्री क्वाटर फाइनल मैच के दूसरे दिन का स्कोर, राजस्थान पहली पारी 291 आल आउट। टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज ने अपनी 131 रनो की शतकीय पारी में 138 गेंदों का सामना किया जिसमे 2 छक्के व 16 चोक्के लगाए। टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज 131, शिफॉन 45, आलोक 19, रजत 16, ऍम खान 15, आदित्य वाधवा 15, एकांश शर्मा 14 व पुरु देवध्वाल 14 रनो का योगदान दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक स्कोर, बंगाल पहली पारी 247 /4, राजस्थान के गेंदबाज एकांश शर्मा, पुरु देवध्वाल, आदित्य वाधवा व एम खान प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

## प्रेम सिंह और नीरज के. पवन ने सीनियर नेशनल वालीबॉल प्रतियोगिता की तैयारियों का जायजा लिया

जयपुर, 4 जनवरी। सैनिक बल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के चैयरमेन नीरज के. पवन ने सीनियर नैशनल वॉलीबाल प्रतियोगिता 2025 को समस्त जायजा भेजा लेते हुए पुरुष एवं महिला खिलाड़ी से परिचय प्राप्त किया। राजस्थान के सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें राष्ट्रीय पदक जीतने के लिए प्रेरित किया। पवन ने इण्डोर स्टेडियम की कुछ टूटी कुर्सियों आदि की मरम्मत कराने का तुरन्त आदेश दिया। इण्डोर स्टेडियम में फ्लेक्स गुजरात साई सेन्टर से मंगाया गया है। आउटडोर वालीवाल ग्राउंड के तीन कोर्ट होंगे, जिनको मिट्टी डाक डालकर एवं शेलरिंग करके दुरस्त करा दिया गया है तथा नया पेन्ट करके दर्शक दीर्घा एवं पोल को सुन्दर बना दिया गया है। लाइटिंग एवं टेन्टिंग की भी पृथक व्यवस्था की जा रही है। आने वाले आगन्तुक सभी खिलाड़ियों को जम्पुर की विभिन्न प्रतिष्ठित होटलों में ठहराया जा रहा है तथा उनके भोजन की सम्पूर्ण सवस्था आयोजकों द्वारा निशुल्क की गई है। स्टेब स्टेज आदि बनने शुरू हो गए है। वेस्ट बंगाल, त्रिपुरा और नागालेण्ड की टीमें आप रात्रि में जयपुर पहुंच रही है।

डूंगरपुर जिले के खडगदा गांव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। खडगदा में उन्होंने साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर मोरन नदी और जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे भागीरथ प्रयास का अवलोकन किया।

# उत्कर्ष पर आयकर छापे की कार्यवाही तीसरे दिन भी जारी रही

## उत्कर्ष कोचिंग के संचालक निर्मल गहलोत के घर पर साढ़े चार किलो सोने के जेवर मिले

■ **आयकर विभाग की टीमें बड़े ट्रांज़ैक्शन की जाँच के लिये दस्तावेज तथा कम्प्यूटर की फाइलें खंगाल रहे हैं, विशेषकर फिज़िक्स वाला की डील के संदर्भ में।**

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले उत्कर्ष कोचिंग सैंटर के विभिन्न ठिकानों पर शनिवार को तीसरे दिन भी आयकर विभाग की छानबीन जारी रही। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह से शुरू हुई थी। शनिवार को सर्च के दौरान डील से जुड़े डॉक्युमेंट और एनजीओ को करोड़ों रुपए की फंडिंग से जुड़ी जानकारी मिली है। आयकर विभाग की टीम को उत्कर्ष कोचिंग संचालक के मालिक निर्मल गहलोत के घर पर तलाशी के दौरान, करीब साढ़े चार किलो सोने के जेवर और 15 लाख रुपए कैश मिले हैं।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के जोधपुर व जयपुर सहित विभिन्न ठिकानों पर आयकर विभाग की लगातार तीसरे दिन भी जारी कार्रवाई में विभाग की नजर जोधपुर पर ही टिकी हुई है। तीन दिनों में अधिकारियों ने बड़े ट्रांज़ैक्शन की जानकारी के लिए दस्तावेज और कम्प्यूटर की फाइलें खंगाली हैं। कोचिंग संस्थान के कार्मिकों से भी पूछताछ की गई है। उत्कर्ष संस्थान के विभिन्न कार्यालयों, निवास स्थान और उससे जुड़े वैंडर्स पर भी कार्रवाई जारी है।

गौरतलब है कि आयकर विभाग ने गुरुवार को कोचिंग संस्थान के जोधपुर, जयपुर, प्रयागराज और इंदौर स्थित 17 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। जोधपुर में दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। जयपुर, प्रयागराज और इंदौर में टीमें जोधपुर की टीमों के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई कर रही हैं।

उत्कर्ष कोचिंग संस्थान की हाल ही में एक एड टैक कंपनी फिज़िक्स वाला के साथ हुई डील ही आयकर विभाग के प्रमुख निशाने पर है। अभी तक की जांच इस डील के इर्द-गिर्द ही चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, फिज़िक्स वाला और उत्कर्ष कोचिंग संस्थान की कुछ महीनों पहले हुई 800 करोड़ की डील के बाद यह मामला रडार पर आया था।

आयकर विभाग को ऐसी शिकायतें मिलीं कि फिज़िक्स वाला के साथ शेयर डील में कोचिंग संचालक ने बड़ा घपला किया है। आठ सौ करोड़ रूपये से अधिक की इस डील में बड़े पैमाने पर अघोषित लेन-देन शामिल है।

### प्र.मंत्री मोदी...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

समूह का मुखिया बनाने को इच्छुक हैं। पवार का अडानी से पुराना नाता रहा है और उन्हें राहुल गांधी का लगातार अडानी विरोधी अभियान चलाना पसंद नहीं है।

राहुल को साइडलाइन कर ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का मुखिया बनाना मोदी के लिए भी फायदेमंद है। गत लोकसभा सत्र में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों से कहा था कि अडानी के खिलाफ अभियान में हर बार शिरकत न करें।

# मुख्यमंत्री ने 20 साल से सूखी नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयास की प्रशंसा की

## खडगदा ग्रामवासियों ने जनभागीदारी से नदी पाट में 40 करोड़ लीटर की संग्रहण क्षमता विकसित की

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने ग्रामवासियों के इस कार्य को ऐतिहासिक व अनुकरणीय बताया। उन्होंने ग्रामवासियों को सरकार की ओर से सहायता का आश्वासन दिया।**

डूंगरपुर, 4 जनवरी (निसं)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर डूंगरपुर जिले के खडगदा गांव गए, जहाँ उन्होंने खडगदा में जन सहयोग से जल संचय अभियान के तहत अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर मोरन नदी और जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे भागीरथ प्रयास का अवलोकन कर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर शुरू हुए जल क्रांति अभियान में स्वप्रेरणा से खडगदा ग्रामवासियों ने जनसहयोग से जल संचय अभियान में मोरन नदी को पुनर्जीवित करने, साफ-सफाई कर जल को उपयोगी बनाने के साथ ही, जल संचयन करने के ऐतिहासिक और अनुकरणीय कार्य में भागीदारी निभाकर सभी के लिए एक मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने इस कार्य के लिए समस्त ग्रामवासियों तथा प्रेरक कथावाचक कमेलश शास्त्री को बधाई देकर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा जल संचय के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा राजस्थान के चालीस हजार गांवों में जल संचय का कार्य किया जा रहा है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के सपने को साकार करते हुए, राजस्थान और मध्य प्रदेश की नदियों को जोड़ने की संशोधित पीकेसी ईआरसीपी लिंक परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना के धरातल पर उतरने के बाद राज्य में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। पाटील ने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर कैच द रेन अभियान में खडगदा गांव के इस प्रयास को विशेष स्थान दिया जाएगा।

इससे पूर्व, हेलीपैड पर पहुंचने पर, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जिले के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया सहित अनेक गणमान्य लोगों ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री पाटील ने ग्रामवासियों द्वारा मोरन नदी विकास को लेकर लगायी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जल संरक्षण के लिए जन सहयोग से बनाए गए कुएं का पूजन कर लोकार्पण किया तथा कथावाचक कमलेश शास्त्री का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, गढ़ी विधायक कैलाश मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी आदि मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खडगदा गांव में मोरन नदी घाट का अवलोकन कर जन भागीदारी से मोरन नदी के पुनरुद्धार कार्य का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर खडगदा गांव के लोगों ने जन भागीदारी से जल संचय अभियान चलाया, जिसके तहत उन्होंने 20 वर्षों से सूखी पड़ी मोरन नदी को पुनर्जीवित किया। सामूहिक श्रमदान से उन्होंने नदी के एक किलोमीटर पाट को साफ कर उसे 8 से 10 फीट गहरा किया। इस एक किलोमीटर के पाट में 40 करोड़ लीटर पानी संग्रहित करने की क्षमता है। गांव के युवाओं ने नदी के घाट पर कच्चा रिवरफ्रंट बनाया। नदी के चारों तरफ रिंग रोड का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, कैच द रेन की तर्ज पर कार्य करते हुए, नदी के घाट के पास 80 फीट गहरा नया कुआं खुदवाया गया। इसके साथ ही, ग्रामवासियों ने गांव के अन्य पुराने कुओं को तथा अपने घरों में बनाए बोरवेल को भी रिचार्ज किया।

### तमिलनाडु...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

का एक बड़ा भंडार था। सूचना मिलने के बाद सत्तूर से तमिलनाडु अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग के कर्मी फैक्ट्री पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रसायनों को रखते समय घर्षण के कारण आग लगी। विस्फोट होने के वास्तविक कारण की हालांकि जांच की जा रही है।

जिला कलेक्टर वी.पी. जयसीलन घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है कि क्या फैक्ट्री में सुरक्षा मानदंडों का कोई उल्लंघन तो नहीं किया गया था।

पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक बालाजी और शशिबालन के अलावा मैनेजर डॉस और प्रकाश सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मीनाक्षी सुंदरम, शिवकुमार, कामराज, वेलमुरुगन, कन्नन और नागराज के रूप में हुई है। यह पता लगाने के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है कि मलबे के नीचे कोई और श्रमिक दबा तो नहीं है। मलबे में फंसे शवों को दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

# डल्लेवाल स्ट्रेचर पर खनौरी बॉर्डर किसान पंचायत में पहुँचे

## किसान नेताओं ने दावा किया 80-90 हजार लोग महापंचायत में शामिल हुए

■ **चालीस दिन से आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल ने किसानों से कहा ''सरकार जितना मर्ज़ी जोर लगा ले, हम ये लड़ाई जीत कर जायेंगे।**

पटियाला, 04 जनवरी। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आज किसानों की महापंचायत हुई। जहां 40 दिन से आमरण अनशन पर बैठे जगजीत डल्लेवाल को स्ट्रेचर से मंच पर लाया गया। उन्होंने 9 मिनट तक किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार जितना मर्जी जोर लगा ले, हम ये लड़ाई जीतकर जाएंगे।

किसान नेताओं का दावा है कि इस महापंचायत में 80 से 90 हजार लोग पहुंचे थे। इस दौरान पंजाब की तरफ महापंचायत के मंच से करीब 7 किलोमीटर तक रोड पर जाम लगा रहा। खनौरी बॉर्डर के हरियाणा साइड पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा रही। यहां पुलिस और अर्धसैनिक बलों की 21 कंपनियां तैनात थीं। इससे हरियाणा की तरफ से कोई किसान महापंचायत में शामिल नहीं हो सका।

वहीं इसी बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के पास पंजाब सरकार की चिट्ठी पहुंची है। जिसमें उन्हें आंदोलन में हस्तक्षेप कर इसे खत्म कराने की मांग की गई है। हालांकि चौहान पहले ही कह चुके हैं कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, वहां से जो फैसला आएगा, उस पर अमल करेंगे।

किसान नेता डल्लेवाल ने राम-राम कहकर संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा- जो मैं लड़ाई लड़ रहा हूं, यह लड़ाई मैं नहीं लड़ रहा, यह सिर्फ एक शरीर दिख रहा है लड़ाई लड़ते। यह ऊपर वाले की मर्जी है। जिसे भगवान चाहता है, उसे ही मनुष्य का शरीर देता है। उसी की मर्जी से हो रहा है, जो हो रहा है।

मोर्चा तो हम ही जीतेंगे पुलिस ने मुझे यहां से उठाने का प्रयास किया। जब लोगों को पता चला तो पंजाब-हरियाणा से सैकड़ों नौजवान हमारे पास पहुंचे और मोर्चा संभाला। आज जो लोग मोर्चे पर पहुंचे हैं, यह सिर्फ ऊपर वाले की कृपा है। सरकार जितना मर्जी जोर लगा ले, हम मोर्चा जीत कर ही रहेंगे।

उन्होंने कहा, किसानों की सुसाइड की घटनाओं पर अंकुश लगना जरूरी है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि करीब 4 लाख किसानों ने आत्महत्या की है, लेकिन असल आंकड़ों में अब तक 7 लाख से ज्यादा किसान दम तोड़ चुके हैं। मेरी किसानों से अपील है कि बड़ी संख्या में आगे आएं, जिससे आंदोलन को बल मिल सके।

इधर, पंजाब सरकार की ओर से केंद्र को एक लेटर लिखा गया। इसमें केंद्र सरकार से अपील की गई है कि किसानों का आंदोलन और डल्लेवाल का अनशन खत्म कराएं।

19 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिए थे कि डल्लेवाल को चिकित्सा सुविधा दी जाए। जरूरत पड़े तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराएं।

# भभूति के चक्कर में बागेश्वर धाम शास्त्री के कार्यक्रम में भगदड़

■ **भारी भीड़ बेकाबू होने पर बाउंसरों ने लोगों को हटाया**

■ **अभी तक किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।**

मुंबई, 04 जनवरी। बागेश्वर धाम महाराज धीरेन्द्र शास्त्री आज भिवंडी के मानकोली नाके के पास स्थित इंडियन ऑयल कंपनी में एक सत्संग के लिए आए हुए थे। कथा सुनाने के बाद धीरेन्द्र शास्त्री ने अपने श्रद्धालुओं को कहा कि आप सभी लोगों को मैं भभूति दूंगा।

आप तमाम लोग एक-एक करके आएं, पहले महिलाएं आएंगी और उसके बाद पुरुष आएंगे। इसके बाद सभी महिलाओं ने पहले लाइन लगायी और उसके पीछे पुरुषों ने लाइन लगाई। बाबा से भभूति लेने के लिए देखते ही देखते भीड़ एक साथ इतनी उमड़ पड़ी कि कंट्रोल के बाहर हो गई। सभी लोग पहले भभूति पाने के लिए आगे बढ़ ने लगे।

भभूति लेने के लिए भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि लोग एक के ऊपर एक चढ़ ने लगे और भगदड़ जैसी स्थिति हो गई।

आसपास खड़े बाउंसरों ने लोगों को खींचकर भीड़ से बाहर निकाला और स्टेज पर बैठा दिया। भगदड़ की वजह से चीख पुकार मच गई और लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। जिन महिलाओं को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी और उन को एक साइड में बैठा दिया गया।

जब धीरेन्द्र शास्त्री ने देखा कि भीड़ हद से ज्यादा बढ़ गई है तो वह अपने स्टेज से उठकर चले गए और इसके बाद भीड़ में शामिल लोग एक के पीछे एक स्टेज पर चढ़ ने लगे जिससे वहां पर मौजूद पुलिस ने लोगों को हटाने का प्रयास किया। फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने हल्का बल का उपयोग करके लोगों को वहां से हटाने का प्रयास किया।

### प्रसिद्ध वैज्ञानिक...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

में भी उनका अहम योगदान रहा। 1998 के पोखरण टेस्ट में उन्होंने वैज्ञानिकों की टीम को लीड किया था। डॉ. राजगोपाला को 1975 में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. राजगोपाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''भारत की वैज्ञानिक और कूटनीतिक ताकत को मजबूत करने में डॉ. राजगोपाला की अहम भूमिका रही। वे भारत के परमाणु प्रोग्राम के निर्माताओं में से एक थे। आने वाली पीढ़ि यां उनके किए कामों से प्रेरणा लेगी।''

डॉ. राजगोपाला का जन्म सन् 1936 में चेन्नई में हुआ। उन्होंने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बेंगलुरु के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस से पढ़ ाई की। 1974 के न्यूक्लियर टेस्टिंग टीम में डॉ. राजगोपाला ने अहम भूमिका निभाई। 1998 में हुए पोखरण परमाणु टेस्ट-2 में उन्होंने टीम को लीड किया।

वर्ष 1990 में उन्होंने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर की जिम्मेदारी भी संभाली। डॉ. राजगोपाला 1993 में परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष भी बने। इस पद पर वे 2000 तक रहे। वे भारत के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे।

# नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया, अब हमेशा भाजपा के साथ रहेंगे

## लालू यादव के नीतीश को आमंत्रण से फैली सियासी अटकलें लगभग समाप्त हो गईं

■ **पटना में एक समीक्षा बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, हम गलती से दो बार इधर-उधर हो गये थे। अब हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।**

पटना, 04 जनवरी। बिहार की सियासत में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। इस बार भी सबकी नज़रें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर थीं।

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा थी कि मलमास खत्म होते ही बिहार की राजनीति में कोई बड़ा मोड़ आ सकता है। हालांकि, इन कयासों के बीच खुद नीतीश कुमार अब फ्रंट लाइन पर आए और उन्होंने स्पष्ट रूप से सबकुछ साफ कर दिया।

पटना में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता ने हमें 24 नवंबर 2005 से काम करने का मौका दिया। हम लगातार बिहार के विकास को लेकर सभी क्षेत्रों और वर्गों के लिए काम करते रहे हैं। 2005 से पहले बिहार की स्थिति बहुत खराब थी।

लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे। अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था नहीं थी, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं थी। अक्सर हिंदू-मुस्लिम के बीच विवाद की खबरें आती थीं। जब बिहार ने हमें काम करने का मौका दिया, तो बिहार की स्थिति बदल गई। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ।

नीतीश कुमार ने कहा कि हम गलती से दो बार इधर-उधर हो गए। अब हम हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।

बीते दिनों में राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू यादव के एक बयान ने बिहार के सियासी माहौल में हलचल मचा दी थी। लालू यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं और उन्हें भी अपने दरवाजे खुला रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर नीतीश कुमार आते हैं, तो उनका साथ लिया जाएगा, हम उनका साथ लेंगे। इस बयान के बाद से बिहार की राजनीति में उत्सुकता और अटकलें तेज हो गई थी।

# प्रधानमंत्री मोदी की ओर...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

में बड़ी भूमिका निभाएगा। मुझे विश्वास है कि यह अवसर लोगों को देश में समाज की बेहतरी के लिए हर संभव कार्य करने की प्रेरणा देगा। वार्षिक उर्स के अवसर पर दरगाह शरीफ के लिए चादर भेजते हुए, मैं ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को नमन करता हूं और देशवासियों की प्रसन्नता व समृद्धि की कामना करता हूं।''

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने महफिलखाने में दरगाह के वैब पोर्टल तथा गरीब नवाज एप को लांच किया। इससे जायरीनों को सुविधा मिलेगी तथा दरगाह कमेटी द्वारा की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकर, जायरीन उनका उपयोग ले सकेंगे। इसके साथ ही, ऑपरेशन्स मैन्युअल फॉर कन्डक्ट ऑफ उर्स ऑफ ख्वाजा मोइन-उद-दिन चिश्ती भी लाँच किया गया। इसके आरंभ होने से जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, राजकीय विभागों तथा अन्य स्तर पर उर्स के दौरान किए जा रहे कार्यों में आपसी समन्वय स्थापित होगा। कार्यों की आसानी से मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

रिजिजू ने कहा कि दरगाह में आंतरिक इंतजाम करने वाली दरगाह कमेटी मेरे मंत्रालय के अधीन आती है, इसलिए हमारा प्रयास है कि दरगाह में जियारत के लिए आने वाले ज़ायरीनों को अधिक से अधिक सुविधा मिले। उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए ऐप और वैब पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पर दरगाह पर मिलने वाली सुविधाओं से लेकर अन्य सभी तरह की जानकारियां मिलेंगी।

इस अवसर पर, दरगाह नाज़िम मोहम्मद नदीम, सहायक नाज़िम डॉ. मोहम्मद आदिल एवं शादाब अहमद, दरगाह दीवान के प्रतिनिधि नसरुद्दीन, अंजुमन के अध्यक्ष गुलाम किबरिया सहित दरगाह से जुड़े व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू के दरगाह पहुंचने पर खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सरवर चिश्ती और शेखजादगान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर दरगाह कमेटी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सूफी संवाद अभियान के राष्ट्रीय सह प्रभारी और दरगाह के खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने भी मंत्री रिजिजू का स्वागत किया।

दरगाह पहुंचने पर दरगाह दीवान के प्रतिनिधि सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने भी रिजिजू का इस्तकबाल किया। बाद में दरगाह के प्रतिनिधियों ने रिजिजू की दस्तारबंदी की। जियारत की रस्म खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने कराई। दरगाह में पीएम मोदी की ओर से चादर लेकर अजमेर पहुंचे केन्द्रीय संसदीय मामलात एवं अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष जमाल सिद्की, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उप महापौर नीरज जैन भी थे।

## कांग्रेस हर जिले में गांधी-अम्बेडकर अपमान पर चौपाल लगायेगी

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान विरोधी है और वह बाबा साहब अंबेडकर और महात्मा गांधी का अपमान करती है, इसलिए कांग्रेस देश के हर जिले में चौपाल लगाकर देशवासियों को बताएगी कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कैसे गांधी जी और अंबेडकर का अपमान करता है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 17 दिसंबर को संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने भीम राव बाबा साहेब अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हमें उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे, लेकिन मोदी ने गृह मंत्री का साथ दिया और अंबेडकर के अपमान में साझेदार बने।

# कर्नाटक सरकार ने बसों का...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

है। राज्य के पूर्व परिवहन मंत्री आर. अशोक, जो विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने कहा कि वे किराया वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री की तरफ से माफी मांगते हुए यात्रियों को गुलाब का फूल दे रहे हैं। कांग्रेस के राज्य परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि किराया वृद्धि का फैसला जरूरी था, क्योंकि ईंधन, स्टाफ व अन्य मदों पर खर्च बढ़ता जा रहा है। खासकर जून 2023 से शक्ति स्कीम लाने के बाद से। मंत्री की इस स्वीकारोक्ति ने शक्ति योजना पर भाजपा की आलोचना को और बल दिया है।

शक्ति स्कीम कांग्रेस की 5 पोल गारंटियों में से एक है, जो कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दी थीं। राज्य के चार परिवहन निगम हैं। कर्नाटक स्टेट ट्रांसपोट कॉरपोरेशन (के.एस.आर.टी.सी.), बैंगलूरु मैट्रो पॉलिटन टॉंसपोर्ट कॉरपोरेशन (बी.एम.टी.सी.), कल्याण रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (के.के.आर.टी.सी.) और नॉर्थ वैस्टर्न कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एन.डब्ल्यू.के.आर.टी.सी.)।

राज्य सरकार की यह प्रमुख योजना 11 जून, 2023 को लॉन्च हुई थी। 2 जनवरी, 2025 तक, अनुमानित रूप से 363 करोड़ महिलाएँ इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। इसके अलावा, शक्ति स्कीम के बाद सभी रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (आर.टी.सी.) में कुल मिलाकर दैनिक यात्रियों की संख्या 25 प्रतिशत बढ़ गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिए वाहनों की व्यवस्था करने के लिये, ट्रांसपोर्ट विभाग ने 2023-24 एवं 2024-25 में 4,304 बसें खरीदी हैं।

ट्रांसपोर्ट मंत्री रेड्डी ने कहा कि सरकार जून 2023 से लेकर नवम्बर 2024 के बीच शक्ति स्कीम के लिए 6,543 करोड़ रूपए की प्रतिपूर्ति कर चुकी है। तीनों आर.टी.सी. में कुल मिलाकर 1,694 करोड़ रूपए का घाटा है। इसके अलावा, इन तीनों निगमों ने प्रोविडेन्ट फंड की बकाया राशि क्लियर करने के लिए सरकार से 2,792 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता माँगी है। इस राशि में विलम्बित भुगतानों पर लगा ब्याज भी शामिल है।

बढ़ती हुई ईंधन की कीमतें, बढ़ता हुआ स्टाफ, बढ़ती हुई बस संचालन लागत तथा बस सेवाओं की माँग में वृद्धि के कारण किराया बढ़ाना जरूरी हो गया है। रेड्डी ने कहा कि कुछ परिवहन निगमों में पिछले पाँच साल से टिकट-किराया संशोधित नहीं हुआ है। बी.एम.टी.सी. में तो 2014 के बाद किराया बढ़ाया ही नहीं गया है। दूसरी तरफ, भाजपा नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार के कुशासन के कारण ये वित्तीय दायित्व उसके ऊपर आये हैं तथा उन घाटों की पूर्ति के लिये सरकार आवश्यक चीजों तथा सेवाओं की कीमतों में वृद्धि कर रही है।

भाजपा नेता ने कहा, ''वर्तमान (बिजली) चार्ज, मकानों पर गाइडेंस वैल्यू, जल-शुल्क, दूध तथा अन्य अत्यावश्यक चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं। नये साल के उपहार-स्वरूप, अब बस किराया भी बढ़ गया है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने बी.एम.टी.सी. और के.एस.आर.टी.सी. को लाभ में छोड़ा था, लेकिन आज की स्थिति भिन्न है।

### कांग्रेस अब...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

रहा है, जिसमें पार्टी के अंदर के वर्ग भी शामिल हैं, मुसलमानों को लक्ष्य करने वाले अत्याचारों के विरुद्ध पार्टी पर्याप्त रुप से मुखर नहीं रही है। पार्टी के अंदर के कुछ प्रमुख वर्ग महसूस करते हैं कि ऐसे मामलों में कांग्रेस के लिए सावधानी बरतने का कोई कारण नहीं है, जबकि, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत भी स्पष्ट और साहसी रुख अपना रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस का हस्तक्षेप या तो पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल या संचार प्रभारी जयराम रमेश के नाम से जा सकता है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908